

कुरुक्षेत्र - विश्वविद्यालय,
भारतीय - विद्यासंस्थान
हस्तलिखितग्रन्थ संग्रहालय
ग्रन्थ - सूची

By

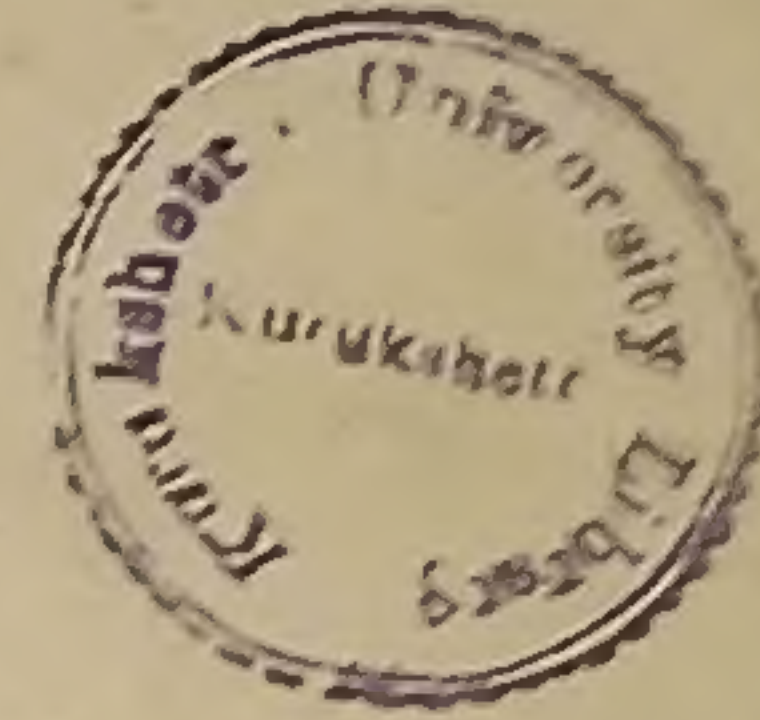
स्थापुद्ग शर्मा शास्त्री

कुरुक्षेत्र-विश्वविद्यालय-संस्कृत-ग्रन्थमालायां द्वितीयं प्रसूतम् ।

— ० —

कुरुक्षेत्र-विश्वविद्यालय, भारतीय-विद्यामंस्थान
हस्तलिखितग्रन्थसंग्रहालय

ग्रन्थ-सूची



संग्राहक :

स्थाणुदत्तशर्मा, शास्त्री,

एम० ए०, एम० ओ० एल०

प्राध्यापक, संस्कृत-विभाग

कुरुक्षेत्र-विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

१९६६

सर्मा, स्थापुवत्त (सं० १९६० वि०)

69090 ✓

मूहम पांच रुपए

या

एक डालर

या

माठ शिलिंग

मुद्रक :

टी० फिलिप, व्यवस्थापक
कुरुक्षेत्र-विश्वविद्यालय मुद्रणालय,
कुरुक्षेत्र ।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयसंस्कृतग्रन्थमालायां

द्वितीयं प्रसूनम्

प्राक्कथन

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भारतीय विद्यासंस्थान से संलग्न हस्तलिखित ग्रन्थों के संग्रहालय में सुरक्षित पाण्डुलिपियों की यह सूची विद्वत् जगत् के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता होती है। इस सूची में १ जुलाई १९६३ से ११ जनवरी १९६५ तक प्राप्त हुई पाण्डुलिपियों के नाम दिये जा रहे हैं। इसके अनन्तर इन सभी ग्रन्थों का विवरणात्मक सूची-पत्र, जो इस समय तैयार किया जा रहा है, प्रकाशित किया जायेगा।

उक्त संग्रहालय का श्रीगणेश जुलाई १९६३ में हुआ। लगभग अढ़ाई वर्ष के अल्पकाल में ही इसके कर्मठ कार्यकर्त्ताओं ने दत्तचित्त होकर जो कार्य किया है, उसका परिचय सहज ही इस सूची में मिल जाता है। आशा है संग्रह का कार्य उत्तरोत्तर बढ़ेगा और शीघ्र ही उक्त संग्रहालय भारतीय विद्याओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त करेगा।

हस्तलिखित ग्रन्थों की रक्षा के लिए संस्थान ५ योजनाओं को लेकर अग्रसर हो रहा है :

१. जो सज्जन अपनी पाण्डुलिपियों को दान के रूप में देते हैं, उनकी रक्षा समुचित रूप से की जाती है और इस प्रकार उनका नाम नियमित रूप से संग्रहालय के साथ जुड़ जाता है। इस प्रकार पुस्तक के साथ साथ उसके देने वाला सज्जन भी विस्मृति के चक्कर से बच जाता है।

२. हस्तलिखित ग्रन्थों को मूल्य देकर भी खरीदा जाता है। इसलिए यदि वे लोग, जिनके पास ऐसी पुस्तकों का संग्रह हो, इन्हें बेचना चाहें, वे उचित मूल्य पर इन्हें हमें दे सकते हैं।

(ii)

३. संग्रहालय ने एक ग्रन्थ-रक्षा-कोष का आयोजन किया है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी पुस्तकों को कुछ निश्चित काल के लिए जमा करा सकता है। प्रायः देखा जाता है कि लोग इन पुस्तकों की वैज्ञानिक पद्धति से रक्षा करने में असमर्थ हैं, जिसके कारण अनेकानेक बहुमूल्य ग्रन्थ-रत्न कालकवलित होते जा रहे हैं। अतः जो सज्जन इन ग्रन्थों के सुधार अथवा उद्धार के लिए इन्हें कुछ सीमित काल तक हमारे कोष में रखना चाहें, वे सहर्ष इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अवधि बीतने पर उन्हें अपनी पुस्तक वापिस लेने का अधिकार है।

४. संग्रहालय के कार्यकर्ता ग्रन्थ-रक्षा के निमित्त बाहर जाकर व्याख्यान करते कराते हैं और लोगों से ग्रन्थों की सुरक्षा के विषय में प्रार्थना करते हैं और उन्हें उनकी रक्षा का उपाय भी समझाते हैं।

५. प्रमुख ग्रन्थों का वैज्ञानिक पद्धति से और आलोचनात्मक दृष्टि से सम्पादन एवं प्रकाशन भी उक्त संग्रहालय का मुख्य कार्य है।

विश्वविद्यालय प्रति वर्ष उपरोक्त कार्य के लिए एक विशेष धनराशि व्यय करने की योजना पर चलता है। अन्य विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में जो हस्तलिखित ग्रन्थों के संग्रह तथा भण्डार हैं, उनसे नियमित रूप से सम्पर्क-सम्बन्ध रखना उक्त संग्रहालय का प्रमुख कार्य है। इस प्रकार यह आशा है कि शीघ्र ही संग्रहालय प्राच्य-विद्याओं के अध्ययन एवं अनुसंधान का प्रेरणा-स्रोत सिद्ध होगा।

१४ अप्रैल, १९६६,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय।

बुद्धप्रकाश
निर्देशक, भारतीय विद्या संस्थान,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

हस्तलिखित-ग्रन्थ-सूची

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-------------------------|------------------|------------|----------|------------|---------|
| 1 | अग्निसम्मुखीकरणात् | | कर्मकाण्ड | देवनागरी | ह० 50609 | मं. सं. |
| 2 | अङ्गिरास्तोत्रम् | कबीर | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 31 | मं. सं. |
| 3 | अंगचल्यों (अनेक) | | सन्तवाणी | दे० ना० | ह० 50539 | मं. सं. |
| 4 | अंगद जी की परिचर्च | अनन्त दास | सन्तवाणी | दे० ना० | ह० 50532 | मं. सं. |
| 5 | अज्ञात ग्रन्थों के पत्र | | | दे० ना० | ह० 50233 | मं. सं. |
| 6 | अद्भुत ग्रन्थ (पंजाबी) | सुन्दर दास | सन्तवाणी | गुरुमुखी | ह० 19974 | मं. सं. |
| 7 | अद्भुत रामायण | व्यास मुनि: | रामायण | दे० ना० | ह० 19554 | मं. सं. |
| 8 | अधिकरणमाला | भारतीतीर्थ मुनि: | मीमांसा | दे० ना० | ह० 50194 | मं. सं. |
| 9 | अध्यात्मरामायण | व्यास मुनि: | रामायण | दे० ना० | ह० 50078 | मं. सं. |
| 10 | अध्यात्मरामायण | व्यास मुनि: | रामायण | दे० ना० | ह० 50435 | मं. सं. |
| 11 | अध्यात्मरामायण | व्यास मुनि: | रामायण | दे० ना० | ह० 50436 | मं. सं. |
| 12 | अनङ्गरङ्ग | कल्याणामल्ल | कामशास्त्र | दे० ना० | ह० 50685 | मं. सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--|-----------------------|--------------|---------|------------|-------|
| 13 | अनन्तव्रतकथा | व्यास मुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19918 | दे० |
| 14 | अनुमिति निरूपणम् (बुधामोददा- व्याख्यासंयुतम्) | रामनारायणा- चार्यः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50 | दे० |
| 15 | अनुमिति निरूपणम् | रामनारायणा- चार्यः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50650 | दे० |
| 16 | अनेकार्थध्वनिमञ्जरी | महाक्षपणक | कोष | दे० ना० | ह० 50037 | दे० |
| 17 | अनेकार्थध्वनिमञ्जरी | महाक्षपणक | कोष | दे० ना० | ह० 19721 | दे० |
| 18 | अनेकार्थसंग्रहः | हेमचन्द्र | कोष | दे० ना० | ह० 120 | दे० |
| 19 | अन्त्येष्टिपद्धतिः | कृष्णदत्त | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19901 | दे० |
| 20 | अन्त्येष्टिपद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50635 | दे० |
| 21 | अन्नपूजास्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19824 | दे० |
| 22 | अपराजितास्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19947 | दे० |
| 23 | अपराधक्षमापनस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50025 | दे० |

| | | | | | | |
|----|----------------------------|--------------|-----------|---------|----------|----------------------|
| 24 | अपरोक्षानुभूतिः (सटीका) | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50220 | दे० |
| 25 | अपरोक्षानुभूतिः (सटीका) | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50648 | दे० |
| 26 | अपामार्जनस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50634 | दे० |
| 27 | अब्दरत्नम् | दुर्गासहायः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50052 | दे० |
| 28 | अभिषेकः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19890 | दे० |
| 29 | अमरकोषः | अमरसिंहः | कोष | दे० ना० | ह० 19666 | दे० |
| 30 | अमरकोषः (द्वितीयं काण्डम्) | अमरसिंहः | कोष | दे० ना० | ह० 19972 | दे० |
| 31 | अमरकोषः (तृतीयं काण्डम्) | अमरसिंहः | कोष | दे० ना० | ह० 50424 | दे० |
| 32 | अमरकोषः (तृतीयं काण्डम्) | अमरसिंहः | कोष | दे० ना० | ह० 50517 | केवल सं. कुछ पत्र |
| 33 | अमरटीका (मुनित्रयमतानुगा) | | कोष | दे० ना० | ह० 19881 | केवल सं. कुछ पत्र |
| 34 | अमरटीका | क्षीरस्वामी | कोष | दे० ना० | ह० 50621 | दे० |
| 35 | अमरशतकम् (सटीकम्) | अमरकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50418 | दे० |
| 36 | अर्कविवाह विधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50696 | दे० |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|-------------------------------|---------------------------|---------|---------|-----------|-----------------|
| 37 | अर्थसंग्रहः | लौगाक्षिभास्कर | मीमांसा | दे० ना० | ह० 50167 | दे० |
| 38 | अलङ्कार कौमुदी | बलभद्रः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19613 | स्वोपज्ञ-क. |
| 39 | अलङ्कारकौस्तुभ | विश्वेश्वर | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 97 | टीका |
| 40 | अलङ्कारचन्द्रिका | वैद्यनाथः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19986 | दे० |
| 41 | अलङ्कारचन्द्रिका | न्यायवागीश भट्टाचार्यः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50293 | दे० |
| 42 | अलङ्कारचन्द्रिका | न्यायवागीश भट्टाचार्यः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50618 | दे० |
| 43 | अलङ्कार मञ्जूषा (अ० चं० टीका) | रामचन्द्रः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50619 | माणिक्य-क. |
| 44 | अलङ्कार शेखर | केशव मिश्र | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19590 | चन्द्र कारित |
| 45 | अव्ययार्थ | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50599 | दे० |

| | | | | | | |
|----|------------------------------|-------------------------|---------|-------------|------------|-----|
| 46 | अष्टकद्वयम् | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50586 | दे० |
| 47 | अष्टकम् | हरिभक्तः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50269 | दे० |
| 48 | अष्टरत्नम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50343-e | दे० |
| 49 | अष्टादशपुराणानुक्रमणिका | | पुराण | दे० ना० | ह० 19819 | दे० |
| 50 | अष्टाध्यायी | पाणिनिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50161 | दे० |
| 51 | अष्टाध्यायी (त्रिपादीमात्र) | पाणिनिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19765 | दे० |
| 52 | अष्टाध्यायी | पाणिनिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19876 | दे० |
| 53 | अष्टाध्यायी (शु० यजुर्वेदीय) | | वेद | दे० ना० | ह० 50527 | दे० |
| 54 | अष्टाविंशतिनामस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50563 | दे० |
| 55 | अस्थिमाला (ल० श० शेखर टीका) | पायगुण्डा | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19850 | दे० |
| 56 | आख्यातवादः | भट्टाचार्य चूड़ामणिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50187 | दे० |
| 57 | आचारादर्शः | श्री दत्त उपाध्याय | दे० ना० | धर्मशास्त्र | ह० 19922 | दे० |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|------------------------------|--------------|---------|----------|------------|---------------|
| 58 | आतङ्क दर्पणम् (मा० नि० टीका) | वाचस्पतिः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50080 | सं. |
| 59 | आत्म निरूपणम् (सटीकम्) | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50272 | चिदानन्दी सं. |
| 60 | आत्मपुराणम् | शङ्करानन्दः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50098 | टीका सं. |
| 61 | आत्मबोधः | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50273 | सं. |
| 62 | आत्मबोधः | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50652 | सं. |
| 63 | आत्मबोधः | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50653 | सं. |
| 64 | आत्म विचार ग्रन्थ (पंजाबी) | | वेदान्त | गुरुमुखी | ह० 19975 | पं. |
| 65 | आदित्यहृदय (भ० पुराणे) | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50024 | सं. |
| 66 | आदित्यहृदय | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50551 | सं. |
| 67 | आदित्यहृदय | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19945 | सं. |
| 68 | आदित्यहृदयस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19897 | सं. |
| 69 | आपिशलि शिक्षा | आपिशलिमुनि | शिक्षा | दे० ना० | प्र० 19653 | सं. |
| 70 | आयुर्दायाध्यायः (जातकविवरणे) | महीधरः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50135 | सं. |

| | | | | | | |
|----|------------------------------|------------------------|-------------|---------|------------|-----|
| 71 | आयुर्वेदग्रन्थः | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19670 | सं. |
| 72 | आयुर्वेदप्रकाशः | | कामशास्त्र | दे० ना० | ह० 19929 | सं. |
| 73 | आरण्यशिक्षा (सव्याख्या) | | शिक्षा | दे० ना० | प्र० 19654 | सं. |
| 74 | आर्यास्तवः (हरिवंशान्तर्गतः) | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50022 | सं. |
| 75 | आर्षरामायण | | रामायण | दे० ना० | ह० 50091 | सं. |
| 76 | आश्रमविवेकः | शङ्कराचार्यः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50465 | सं. |
| 77 | आश्रमविवेकः | शङ्कराचार्यः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50704 | सं. |
| 78 | इतिहास समुच्चयः | | इतिहास | दे० ना० | ह० 50426 | सं. |
| 79 | इतिहास समुच्चयः | | इतिहास | दे० ना० | ह० 50427 | सं. |
| 80 | इन्द्राक्षीस्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50544 | सं. |
| 81 | इष्टदर्पणम् (टीका) | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19828 | सं. |
| 82 | इष्टसाधनम् | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50423 | सं. |
| 83 | ईशावास्योपनिषद्भाष्य सटीक | आनन्दगिरिः टीकाकारः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 81 | सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-------------------------------------|------------------------------|---------------|---------|------------|-------|
| 84 | ईशावास्योपनिषद्भाष्य | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 25 | सं. |
| 85 | ईशावास्योपनिषद्भाष्य | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50302 | सं. |
| 86 | उच्छिष्टगणपतिः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50068 | सं. |
| 87 | उड्डामरतन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50588 | सं. |
| 88 | उणादि विवरणम् | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19992 | सं. |
| 89 | उत्तरार्द्धम् (सिद्धान्त चन्द्रिका) | श्रीरामाश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19803 | सं. |
| 90 | उत्सर्गोपाकर्मविधिः | केशवः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50521 | सं. |
| 91 | उद्धवसन्देशः | रूपाश्रय सना- तन गोस्वामी | काव्य | दे० ना० | ह० 50417 | सं. |
| 92 | उद्धवसन्देशस्य टीका | | काव्य | दे० ना० | ह० 50419 | सं. |
| 93 | उद्धारकोशः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19741 | सं. |
| 94 | उपदेशसाहस्री (सटीका) | शङ्कराचार्यः (रामतीर्थः) | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50186 | सं. |

| | | | | | | |
|-----|------------------------|--------------|-------------|---------|----------|-----|
| 95 | उपनयनपद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19926 | सं. |
| 96 | उपनिषत्क्रमः | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50499 | सं. |
| 97 | उपनिषद्भाष्य | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 19712 | सं. |
| 98 | उपवीतकरणपद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 26 | सं. |
| 99 | ऋग्वेदः (पञ्चममष्टकम्) | | वेद | दे० ना० | ह० 50503 | सं. |
| 100 | ऋतुसंहार | कालिदासः | काव्यम् | दे० ना० | ह० 50336 | सं. |
| 101 | ऋषिपञ्चमीव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 19900 | सं. |
| 102 | एकाक्षर शब्दमाला | अमरपण्डितः | कोषः | दे० ना० | ह० 19722 | सं. |
| 103 | एकाक्षरीकोषः | | कोषः | दे० ना० | ह० 50036 | सं. |
| 104 | एकादशीकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50138 | सं. |
| 105 | एकादशीनिर्णयः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50265 | सं. |
| 106 | एकादशीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50723 | सं. |
| 107 | एकादशीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50707 | सं. |
| 108 | एकादशीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50125 | सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | अन्वयकर्ता | विषय | तिथि | क्रमांक | विवरण |
|-------------|------------------------|--------------|---------------|---------|----------|------------------------|
| 109 | एकादशीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50420 | सं. |
| 110 | एकादशीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50153 | सं. |
| 111 | एकादशीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50421 | सं. |
| 112 | एकादशीव्रतोद्यापनविधिः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19744 | सं. |
| 113 | कठोपनिषत् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50300 | सं. |
| 114 | कठोपनिषत् (शां० भा०) | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 68 | काठको- ठ पनिषत् सं. |
| 115 | कठोपनिषत् (सटीका) | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 82 | सं. |
| 116 | कबीर के दोहे | कबीर | नीति | दे० ना० | ह० 50534 | हि. |
| 117 | करणकुतूहलम् | भास्करः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50368 | सं. |
| 118 | करान्मृतम् | लीलाधरः | काव्यम् | दे० ना० | ह० 19650 | सं. |
| 119 | कर्पूरस्तवराजः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19895 | सं. |
| 120 | कर्मकाण्डपत्राणि | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19802 | सं. |

| | | | | | | |
|-----|------------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------------------|
| 121 | कर्मत्रकावाः | समरसिंहः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19594 | सं. |
| 122 | कर्मविपाकः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19563 | ब्रह्मनारद- संवादे सं. |
| 123 | कर्मविपाकः (खं०) | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19609 | बृहत्सूया-सं. रत्न० |
| 124 | कर्मविपाकः | | पुराण | दे० ना० | ह० 19775 | सं. |
| 125 | कर्मविपाकः | | पुराण | दे० ना० | ह० 19800 | हारीतम-सं. हितोक्तम् |
| 126 | कर्मविपाकः | मान्धाता | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50141 | सं. |
| 127 | कर्मविपाकः | | पुराण | दे० ना० | ह० 50640 | सारसंग्रहे सं. = |
| 128 | कर्मविपाकसारः | दिनकरः | पुराण | दे० ना० | ह० 50373 | सं. |
| 129 | कलत्रगुणचिन्ती | नंदराम | सुभाषित | दे० ना० | ह० 50538 | हि. |
| 130 | कल्पवल्ली | विदुलः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19600 | सं. |
| 131 | कविकर्पटीकरचना | कविराज-शंखः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19614 | सं. |
| 132 | कविकल्पलता | देवेश्वर | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50383 | सं. |
| 133 | कथावलिः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19813 | सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|----------------------|------------------------------|---------------|----------|------------|-------|
| 134 | काठकोपनिषद्भाष्य | शङ्कराचार्य | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 82 | सं. |
| 135 | कात्यायनीशान्तिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50656 | सं. |
| 136 | कात्यायनी-स्नानम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19888 | सं. |
| 137 | कादम्बरी | बाणभट्ट | काव्य | दे० ना० | ह० 27 | सं. |
| 138 | कादम्बरी | बाणभट्ट | काव्य | दे० ना० | ह० 50259 | सं. |
| 139 | कारकप्रयोगः | भवानन्द सि- द्धान्तवागीशः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19879 | सं. |
| 140 | कारकविलासः | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50023 | सं. |
| 141 | कार्तवीर्यदीपविधानम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19698 | सं. |
| 142 | कार्तवीर्यविधिः | | तन्त्रशास्त्र | वज्रलिपि | ह० 19648 | सं. |
| 143 | कार्तवीर्यजुंनकवचम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19704 | सं. |
| 144 | कार्तवीर्यजुंनकवचम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50496 | सं. |
| 145 | कार्तिकमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50151 | सं. |

12

| | | | | | | |
|-----|--------------------------|-------------------------|---------------|---------|----------|------------|
| 146 | कार्तिक माहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50399 | पाद्ये सं. |
| 147 | कार्तिकोद्यापनम् | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50188 | सं. |
| 148 | कालज्ञानम् | धन्वन्तर | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19910 | सं. |
| 149 | कालज्ञानम् | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19911 | सं. |
| 150 | कालज्ञानम् | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50606 | सं. |
| 151 | कालनिर्णयः | माधवाचार्यः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 75 | सं. |
| 152 | कालनिर्णयशिक्षा | | शिक्षा | दे० ना० | ह० 19651 | सं. |
| 153 | कालाग्निरुद्रोपनिषत् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50030 | सं. |
| 154 | कालाग्निरुद्रोपनिषत् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50449 | सं. |
| 155 | कालिकात्रैलोक्यमोहनकवचम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19950 | सं. |
| 156 | काव्यकल्पलतावृत्तिः | अमरचन्द्र | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50384 | सं. |
| 157 | काव्यचन्द्रिका | रामचन्द्र न्यायवागीश | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50243 | सं. |
| 158 | काव्यप्रदीपस्य व्याख्या | वैद्यनाथ | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50214 | प्रभा सं. |

13

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|---------------------------|--------------|-----------|---------|-----------|--------------|
| 159 | काव्यम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50693 | प्रज्ञात- ४. |
| 160 | काव्यालङ्कार सूत्रवृत्तिः | वामनः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19572 | नामकाव्य |
| 161 | काशिकावृत्तिः (पदमञ्जरी) | हरदत्तः | व्याकरण | दे० ना० | प्र० 128 | कविप्रिया १. |
| 162 | काशीखण्ड (उत्तरार्द्ध) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50144 | ३. |
| 163 | काशीखण्ड (पूर्वार्द्ध) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50143 | ३. |
| 164 | काशी विश्वनाथस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50674 | ३. |
| 165 | किरणावली की टीका | उदयनाचार्य | दर्शन | दे० ना० | ह० 50381 | ३. |
| 166 | किराताजुनीय | भारविः | काव्य | दे० ना० | ह० 19726 | ३. |
| 167 | किराताजुनीय | भारविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50271 | ३. |
| 168 | कुण्डमण्डपसिद्धिः | विठ्ठलः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50267 | ३. |
| 169 | कुमारसम्भवः (सप्तमसर्गः) | कालिदासः | काव्य | दे० ना० | ह० 61 | ३. |
| 170 | कुमारीपूजाविधिः | | तन्त्र | दे० ना० | ह० 50726 | ३. |

14

| | | | | | | |
|-----|-------------------------|---|--------------------|---------|----------|----|
| 171 | कुरान शरीफ | | यवनधर्म | अरबी | ह० 50136 | ३. |
| 172 | कुरुक्षेत्र-माहात्म्यम् | श्रीरामचन्द्र- सरस्वती | पुराण | दे० ना० | ह० 19793 | ३. |
| 173 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19732 | ३. |
| 174 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19985 | ३. |
| 175 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50140 | ३. |
| 176 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50388 | ३. |
| 177 | कुशकण्डिका | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19739 | ३. |
| 178 | कुसुमाञ्जलिः (उदयनकृता) | परमहंस नारा- यणतीर्थ-कृत- व्याख्यायुता) | वैशेषिक शास्त्र | दे० ना० | ह० 113 | ३. |
| 179 | कृत्यरत्नावली | रामचन्द्रः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19575 | ३. |
| 180 | कृपालीकालीस्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50487 | ३. |
| 181 | कृपालीकालीस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50012 | ३. |
| 182 | कृष्णभक्तिचन्द्रिका | अनन्तदेव | नाटक | दे० ना० | ह० 19649 | ३. |

15

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | पन्ना | विभाग |
|-------------|---------------------------|--------------|-----------|---------|----------|-----------|
| 159 | काव्यम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50693 | अज्ञात-म. |
| 160 | काव्यालङ्कार सूत्रवृत्तिः | वामनः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19572 | नामकाव्य |
| 161 | काशिकावृत्तिः (पदमञ्जरी) | हरदत्तः | व्याकरण | दे० ना० | प्र० 128 | कविप्रिया |
| 162 | काशीखण्ड (उत्तरार्द्ध) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50144 | |
| 163 | काशीखण्ड (पूर्वार्द्ध) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50143 | |
| 164 | काशी विश्वनाथस्तोत्रम् | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50674 | |
| 165 | किरणावली की टीका | उदयनाचार्य | दर्शन | दे० ना० | ह० 50381 | |
| 166 | किरातार्जुनीय | भारविः | काव्य | दे० ना० | ह० 19726 | |
| 167 | किरातार्जुनीय | भारविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50271 | |
| 168 | कुण्डमण्डपसिद्धिः | विठ्ठलः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50267 | |
| 169 | कुमारसम्भवः (सप्तमसर्गः) | कालिदासः | काव्य | दे० ना० | ह० 61 | |
| 170 | कुमारीपूजाविधिः | | तन्त्र | दे० ना० | ह० 50726 | |

| | | | | | | |
|-----|-------------------------|---------------------------------------|-----------------|---------|----------|--|
| 171 | कुरान शरीफ | | यवनधर्म | अरबी | ह० 50136 | |
| 172 | कुरुक्षेत्र-माहात्म्यम् | श्रीरामचन्द्र-सरस्वती | पुराण | दे० ना० | ह० 19793 | |
| 173 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19732 | |
| 174 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19985 | |
| 175 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50140 | |
| 176 | कुवलयानन्दः | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50388 | |
| 177 | कुशकण्डिका | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19739 | |
| 178 | कुसुमाञ्जलिः (उदयनकृता) | परमहंस नारा-यणतीर्थ-कृत-व्याख्यायुता) | वैशेषिक शास्त्र | दे० ना० | ह० 113 | |
| 179 | कृत्यरत्नावली | रामचन्द्रः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19575 | |
| 180 | कृपालीकालीस्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50487 | |
| 181 | कृपालीकालिकास्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50012 | |
| 182 | कृष्णभक्तिचन्द्रिका | अनन्तदेव | नाटक | दे० ना० | ह० 19649 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | निधि | ग्रन्थसंख्या | विशेष |
|-------------|------------------------|-----------------|---------|---------|--------------|-------|
| 183 | कृष्णसहस्रनाम | | | | | |
| 184 | केदारकल्पः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50046 | |
| 185 | केनोपनिषद् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50069 | |
| 186 | केनभाष्यम् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50299 | |
| 187 | केशवीपद्धतिः | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50311 | |
| 188 | केशवी (उदाहरण) | केशवार्कः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50366 | |
| 189 | केशवीपद्धति-वासनाभाष्य | विश्वनाथदैवज्ञ | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19825 | |
| 190 | कोकिलसन्देशः | धर्मेश्वरदैवज्ञ | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19557 | |
| 191 | क्रोडपत्र | वेङ्कटाचार्यः | काव्य | दे० ना० | प्र० 2 | |
| 192 | क्रोडपत्र | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19856 | |
| 193 | क्रोडपत्राणि | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19940 | |
| 194 | खण्डनखण्डखाद्य | श्रीहर्षः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19873 | |
| | | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19988 | |

| | | | | | | |
|-----|------------------------------|---------------------|---------|---------|----------|------------------|
| 195 | खण्डनखण्डखाद्य (शंकरटीकायुत) | श्रीहर्षः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 95 | |
| 196 | गङ्गामाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50396 | |
| 197 | गङ्गालहर्याष्टीका | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19696 | |
| 198 | गङ्गालहर्याष्टीका | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19697 | |
| 199 | गङ्गाष्टकम् | सत्यज्ञानानन्द-यतिः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50339 | |
| 200 | गङ्गाष्टकम् | बाल्मीकिः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50444 | |
| 201 | गङ्गाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50547 | |
| 202 | गङ्गासहस्रनाम | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50031 | स्कान्दे सं. |
| 203 | गङ्गास्तानमाहात्म्यम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19574 | गङ्गासं. सं. नाम |
| 204 | गजेन्द्रमोक्षः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50438 | |
| 205 | गरुडपतिपञ्चकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50352 | |
| 206 | गरुडपुराण | | पुराण | दे० ना० | ह० 50070 | (A तथा B) |
| 207 | गरुडस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19870 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-----------------------------------|---------------|-----------|---------|------------|-----------------|
| 208 | गरुडशाष्टकम् | | | | | |
| 209 | गण्डान्तमूलसार्प्यज्येष्ठाशान्तिः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19966 | सं. |
| 210 | गद्यकाव्यम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50615 | देवज्ञ- सं. |
| 211 | गयायात्रापद्धतिः | | काव्य | दे० ना० | ह० 50422 | मनोहरे |
| 212 | गरुडपुराण | गोस्वामी हरजी | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50385 | प्रज्ञाननाम सं. |
| 213 | गरुडपुराण | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19790 | सं. |
| 214 | गरुडपुराण (प्रेतकल्पः) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50067 | सं. |
| 215 | गरुडपुराण | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50094 | सं. |
| 216 | गर्गमनोरमा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50617 | सं. |
| 217 | गर्गसंहिता (द्वारावतीखण्डः ६) | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50059 | सं. |
| 218 | गर्गसंहिता (गोलोकखण्डः १) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50095 | सं. |
| 219 | गर्गसंहिता | | पुराण | दे० ना० | ह० 50079 | सं. |
| | | | पुराण | दे० ना० | ह० 50145 | सं. |

| | | | | | | |
|-----|---------------------------------|------------------|---------------|---------|----------|----------------|
| 220 | गर्गसंहिता (गोलोक-वृन्दावन खं०) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50432 | सं. |
| 221 | गाथासप्तशती | गोवर्द्धनाचार्यः | काव्य | दे० ना० | ह० 50260 | सं. |
| 222 | गायत्री | | वेद | दे० ना० | ह० 50485 | सं. |
| 223 | गायत्रीकवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50628 | रुद्रयामले सं. |
| 224 | गायत्रीतत्त्वम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19953 | वेदसारे सं. |
| 225 | गायत्रीपटलः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19834 | रुद्रयामले सं. |
| 226 | गायत्रीपटलः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50625 | रुद्रयामले सं. |
| 227 | गायत्रीपद्धतिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50626 | सं. |
| 228 | गायत्रीभाष्य | | वेद | दे० ना० | ह० 50102 | सं. |
| 229 | गायत्रीयन्त्रपूजा | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19835 | सं. |
| 230 | गायत्रीविवरणम् | | वेद | दे० ना० | ह० 19964 | सं. |
| 231 | गायत्रीशापमोचनम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19961 | सं. |
| 232 | गायत्रीशापपरिमोचनम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19962 | सं. |
| 233 | गायत्रीहृदय | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19615 | सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | संख्या | तिथि |
|-------------|-------------------------------|-------------|---------------|---------|----------|------|
| 234 | गायत्रीहृदय | | | | | |
| 235 | गायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50103 | |
| 236 | गायत्रीस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50624 | |
| 237 | गायत्र्यर्थः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50627 | |
| 238 | गायत्र्युपनिषत् | | वेद | दे० ना० | ह० 19700 | |
| 239 | गिरिधरानन्द | गिरिधरमिश्र | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 19952 | |
| 240 | गीतगोविन्दकाव्यम् | जयदेव | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19642 | |
| 241 | गीतगोविन्द (नारायणीटीकायुक्त) | जयदेव | काव्य | दे० ना० | ह० 50307 | |
| 242 | गीता | | काव्य | दे० ना० | ह० 50572 | |
| 243 | गीता (शङ्करानन्दीटीका) | शङ्करानन्द | वेदान्त | दे० ना० | ह० 74 | |
| 244 | गीता (शङ्करानन्दीटीका) | शङ्करानन्द | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50045 | |
| 245 | गीता (मूलमात्र) | शङ्करानन्द | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50202 | |
| | | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50266 | |

20

| | | | | | | |
|-----|--------------------------------|---------------------|---------------------|---------|----------|---------------|
| 246 | गीता (सुबोधिनी टीका) | श्रीधरस्वामी | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19885 | |
| 247 | गीता (द्वादशाध्यायी) | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50557 | |
| 248 | गीता (पञ्चरत्न) | | वेदान्त- स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19675 | |
| 249 | गीता (मधुसूदनीटीकासहित) | मधुसूदन- सरस्वती | वेदान्तशास्त्र | दे० ना० | ह० 50475 | |
| 250 | गीता (शाङ्करभाष्य) | शङ्कराचार्य | वेदान्तशास्त्र | दे० ना० | ह० 50193 | |
| 251 | गीता भाष्य टीका | भगवदानन्द- ज्ञान | वेदान्तशास्त्र | दे० ना० | ह० 50222 | |
| 252 | गीता शाङ्कर भाष्य (आ० गि० टी०) | आनन्दगिरि | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50223 | |
| 253 | गीता शाङ्करभाष्य (आ० गि० टी०) | आनन्दगिरि | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50237 | |
| 254 | गीता-हिन्दी | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50454 | पद्यमय |
| 255 | गीतातत्त्वसारः | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19960 | |
| 256 | गीतामाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50201 | |
| 257 | गुटका (हिन्दी) | | काव्य | दे० ना० | ह० 50289 | प्रनेक ग्रन्थ |

21

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|------------------------|------------------|---------------|---------|------------|----------------|
| 258 | गुणरत्नम् | भवभूतिमिश्रः | काव्य | दे० ना० | ह० 50346 | सं. |
| 259 ✓ | गुणलक्षणगुणणा (१०८) | | जैनदर्शन | दे० ना० | ह० 50473 | सं. |
| 260 | गृह्यप्रयोगः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50633 | सं. |
| 261 | गोदानविधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19903 | सं. |
| 262 | गोपालकवच | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19625 | सं. |
| 263 | गोपालमन्त्रविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50720 | सं. |
| 264 | गोपालशतकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19706 | सं. |
| 265 | गोपालसहस्रनामस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50509 | सं. |
| 266 | गोपालसहस्रनामस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50510 | सं. |
| 267 | गोपालोपनिषद्-टीका | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 83 | गोपालोत्त- सं. |
| 268 | गोलतन्त्रम् | विश्वेश्वराचार्य | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50686 | रत्नपिनी सं. |
| 269 | गोलाध्यायः | भास्कराचार्य | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19593 | सं. |

| | | | | | | |
|-------|-------------------------------|-----------------|-----------------|---------|----------|-------------|
| 270 | गोलाध्यायः | भास्कराचार्य | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19599 | सं. |
| 271 | गोवर्द्धनसप्तशती | गोवर्द्धनाचार्य | काव्य | दे० ना० | ह० 19555 | सं. |
| 272 | गोवर्द्धनसप्तशती | गोवर्द्धनाचार्य | काव्य | दे० ना० | ह० 19616 | सं. |
| 273 | गोवर्द्धनसप्तशती | गोवर्द्धनाचार्य | काव्य | दे० ना० | ह० 19617 | केवल दो सं. |
| 274 | गोवर्द्धनसप्तशत्याष्टीका | अनन्तपण्डित | काव्य | दे० ना० | ह० 19618 | पत्र सं. |
| 275 | गोवर्द्धनी (तर्कसंग्रहफक्किा) | गोवर्द्धनः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19689 | सं. |
| 276 | गोवर्द्धनी (तर्कसंग्रहफक्किा) | गोवर्द्धनः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19690 | सं. |
| 277 | गोविन्दविरुदावली | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50575 | सं. |
| 278 | गौड़पादीयभाष्यटीका | भगवदानन्दतीर्थ | वेदान्त-शास्त्र | दे० ना० | ह० 50310 | सं. |
| 279 | गौतमीयं तन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50620 | सं. |
| 280 | ग्यानलीला | रामानन्दजी | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50550 | सं. हिं. |
| 281 ✓ | ग्रहण तथा फल (सौ बरस के) | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50328 | सं. हिं. |
| ✓282 | ग्रहलाघवम् | गणेशदैवज्ञ | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50085 | सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|----------------------------------|----------------|---------------|---------|-----------|----------|
| 283 | ग्रहलाघव | गणेशदेवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50087 | सं. |
| 284 | ग्रहलाघवसारणी | गणेशदेवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50053 | सं. |
| 285 | ग्रहलाघव-(सोदाहरण) | गणेशदेवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50054 | सं. |
| 286 | ग्रहलाघवस्य टीका | विश्वनाथदेवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19643 | सं. |
| 287 | ग्रहलाघवोदाहरण | विश्वनाथदेवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50055 | सं. |
| 288 | घटखर्परकाव्य | घटखर्पर कविः | काव्य | दे० ना० | ह० 19580 | सं. |
| 289 | घटखर्परकाव्यम् | घटखर्पर कविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50456 | सटीक सं. |
| 290 | घटखर्परकाव्यम् | घटखर्पर कविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50623 | सं. |
| 291 | घण्टापथः (किरातव्याख्या) | मल्लिनाथः | काव्य | दे० ना० | ह० 50245 | सं. |
| 292 | घण्टापथः (किराताजुर्नीयस्य टीका) | मल्लिनाथः | काव्य | दे० ना० | ह० 19725 | सं. |
| 293 | चकोरसन्देशः | पेरुसूरिः | काव्य | दे० ना० | प्र० 3 | सं. |
| 294 | चण्डीपञ्चाङ्गम् | मन्त्रशास्त्र | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19956 | सं. |

| | | | | | | |
|-----|---------------------------|---------------------------|---------------|---------|----------|---------|
| 295 | चण्डीशापविमोचनम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50290 | सं. |
| 296 | चण्डीस्तोत्रप्रयोगविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19957 | सं. |
| 297 | चण्डीहृदयम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50695 | सं. |
| 298 | चतुर्विंशतिगायत्रीपद्धतिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19892 | सं. |
| 299 | चतुर्विंशतिगायत्र्यः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19963 | सं. |
| 300 | चतुर्विंशतिजिनस्तवः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50471 | सं. |
| 301 | चतुःश्लोकी भागवत | | पुराण | दे० ना० | ह० 50543 | सं. |
| 302 | चतुःश्लोकी भागवत | | पुराण | दे० ना० | ह० 50559 | सटीकसं. |
| 303 | चतुःश्लोकी भागवतम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50608 | सं. |
| 304 | चन्दनषष्ठीव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 19919 | सं. |
| 305 | चन्द्रालोकः | जयदेवः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19583 | सं. |
| 306 | चन्द्रालोकप्रकाशः | प्रद्योतनभट्टा- चार्यः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 55 | सं. |
| 307 | चन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50203 | सं. |
| 308 | चन्द्रिकाव्याकरण | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50571 | सं. |

25

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|----------------------------|------------------------------|-----------|---------|------------|-------------------------|
| 309 | चमत्कारचिन्तामणिः | भोजः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19719 | मटीक सं. |
| 310 | चम्पूरामायणम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50255 | सं. |
| 311 | चरणव्यूहः | | वेदाङ्ग | दे० ना० | ह० 50569 | सं. |
| 312 | चरणव्यूहः | | वेदाङ्ग | दे० ना० | ह० 50676 | सं. |
| 313 | चातुर्वर्षिकश्राद्धपद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19801 | सं. |
| 314 | चित्रमीमांसा | अप्पयदीक्षित | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19579 | सं. |
| 315 | चूड़ामणिः | महेश्वरः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19995 | प्रश्नग्रन्थः सं. |
| 316 | चौरपञ्चाशिका | चौरकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50337 | सं. |
| 317 | छन्दोमञ्जरी | गङ्गादासः | छन्द | दे० ना० | ह० 19582 | सं. |
| 318 | छान्दोग्य (सभाष्य) | भगवदानन्द- ज्ञानगिरि-टीका | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50234 | सं. |
| 319 | छान्दोग्योपनिषद्-टीका | नित्यानन्दाश्रम | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 93 | मिताक्षरा सं. |
| 320 | छान्दोग्योपनिषद् | शाङ्करभाष्य- सटीक | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 48 | भगवदा- नन्दीटीका सं. |

| | | | | | | |
|-----|------------------------------|---------------------|--------------|----------|----------|------------|
| 321 | जगन्मोहन | लक्ष्मणाचार्य | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19598 | सं. |
| 322 | जगन्ताथाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50035 | सं. |
| 323 | जन्मपत्रपद्धतिः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50470 | सं. |
| 324 | जन्माष्टमीव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 19899 | सं. |
| 325 | जन्माष्टमीव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50665 | सं. |
| 326 | जयसिंहकल्पद्रुमोद्योतः | रत्नाकरः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19619 | सं. |
| 327 | जलाशयोत्सर्गप्रतिष्ठापद्धतिः | नीलकण्ठः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19758 | सं. |
| 328 | जलोत्सर्गमयूखः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50636 | सं. |
| 329 | जफरनामा | जगदीशभट्ट | इतिहास | गुरुमुखी | ह० 19604 | वेजानो |
| 330 | जागदीशी | | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50488 | सं. |
| 331 | जातकदीपिका | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50364 | सं. |
| 332 | जातकपद्धतिटीका | कृष्णदेवश | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19541 | उदाहरण सं. |
| 333 | जातकपद्धति टीका | विश्वनाथ- दैवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19542 | सं. |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | निर्णय | प्र. ना. ह. | विशेष |
|-------------|--------------------------|---------------|-----------|---------|-------------|-------------|
| 334 | जातकपद्धति: | केशवः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19543 | |
| 335 | जातकसारः | नरहरिः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19636 | |
| 336 | जातकाभरणम् | कुण्डिराजः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50632 | |
| 337 | जातकालङ्कारः | गणेशदैवज्ञः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19866 | |
| 338 | जातकालङ्कारः | गणेशदैवज्ञः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50369 | |
| 339 | जातकालङ्कारः | गणेशदैवज्ञः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50453 | |
| 340 | जाबालोपनिषद् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50298 | |
| 341 | जीवन्मुक्त-उपनिषद् | सायणः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 66 | जीवन्मुक्ति |
| 342 | जीवितक्रियापद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50654 | विवेकः |
| 343 | जैन-मेघदूत | मेरुतुङ्ग | काव्य | दे० ना० | प्र० 125 | |
| 344 | जैमिन्यायमाला | माधवः | मीमांसा | दे० ना० | ह० 56 | |
| 345 | जैमिनिसूत्राणि (सटीकानि) | नीलकण्ठः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19720 | |

| | | | | | | |
|-----|------------------|-------------|-----------|---------|----------|-------------------|
| 346 | जैमिनिसूत्राणि | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50697 | |
| 347 | जैमिनीयन्यायमाला | माधवभट्टः | मीमांसा | दे० ना० | ह० 98 | |
| 348 | जैमिनीयन्यायमाला | माधवभट्टः | मीमांसा | दे० ना० | ह० 19809 | |
| 349 | जैमिनीयन्यायमाला | माधवभट्टः | मीमांसा | दे० ना० | ह० 50152 | |
| 350 | जैमिनीयाश्वमेधः | व्यासः | इतिहासः | दे० ना० | ह० 30 | |
| 351 | जैमिनीयाश्वमेधः | व्यासः | इतिहासः | दे० ना० | ह० 19610 | |
| 352 | ज्ञानबाराखड़ी | रामदास | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50548 | |
| 353 | ज्ञानमञ्जरी | सोमनाथः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50124 | |
| 354 | ज्येष्ठाशान्तिः | (गर्गोक्ता) | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50702 | |
| 355 | ज्यौतिष | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19814 | |
| 356 | ज्यौतिष | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19829 | |
| 357 | ज्यौतिषकल्पतरुः | चूड़ामणिः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19630 | रोगावली- सहितः |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थ संख्या | विशेष |
|-------------|----------------------------|---------------------|---------------|---------|---------------|-----------------------------|
| 358 | ज्यौतिष (फारसी) | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19717 | फारसी-ज्यौतिष-विचार |
| 359 | ज्यौतिष रत्नमाला | श्रीपतिभट्टः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19812 | |
| 360 | ज्यौतिषसार | (...) | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50651 | |
| 361 | डामरतन्त्र | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19841 | |
| 362 | ढोसी तीर्थ माहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50389 | |
| 363 | तत्त्वदीपिका टीका | लोकेशकर | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50231 | सिद्धान्त-चन्द्रिका-की टीका |
| 364 | तत्त्व पञ्चाशिका | कवि पति | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 58 | |
| 365 | तत्त्वप्रदीपिका | चित्सुखमुनि | वेदान्त | दे० ना० | ह० 54 | |
| 366 | तत्त्वबोधिनी (उत्तरार्द्ध) | ज्ञानेन्द्रसरस्वती | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19859 | |
| 367 | तत्त्वबोधिनी | ज्ञानेन्द्र सरस्वती | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50159 | |

30

| | | | | | | |
|-----|-----------------------------|---------------------|---------------|---------|----------|-------------|
| 368 | तत्त्वबोधिनी (उत्तरार्द्ध) | ज्ञानेन्द्र सरस्वती | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50228 | |
| 369 | तत्त्वविवेकस्य टीका | सदाशिव | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19526 | शिशु-बोधिनी |
| 370 | तत्त्वविवेकदीपिका | रामकृष्ण | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50664 | |
| 371 | तत्त्वसङ्ख्यानम् | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19886 | |
| 372 | तत्त्वानुसन्धानम् | महादेवसरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 29 | |
| 373 | तत्त्वानुसन्धानम् | महादेवसरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50043 | |
| 374 | तत्त्वानुसन्धानम् | महादेवसरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50356 | |
| 375 | तन्त्रसारः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50107 | |
| 376 | तन्त्र शास्त्र के पांच पत्र | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19747 | |
| 377 | तंभावली (हिन्दी) | | काव्य | दे० ना० | ह० 19715 | |
| 378 | तर्क कौमुदी | भास्कर शर्मा | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50649 | |
| 379 | तर्कप्रकाशः | श्रीकण्ठ शर्मा | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 87 | |
| 380 | तर्कप्रकाशः | नीलकण्ठभट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50156 | |

31

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | लेखक | विषय | भाग | दे० ना० | ह० | विवरण |
|-------------|--|--------------------|--------------|---------|---------|-------|-------|
| 381 | तर्कप्रकाशः (शिवात्त भट्टरी कीपिका-टीका) | नीलकण्ठसर्मा | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50204 | |
| 382 | तर्कभाषा | केशवमिश्र | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19987 | |
| 383 | तर्कचूरी | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50029 | |
| 384 | तर्कसङ्ग्रहः (सटीकः) | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | प्र० | 19687 | |
| 385 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19688 | |
| 386 | तर्कसङ्ग्रहः (न्यायबोधिनी व्या०) | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19784 | |
| 387 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50168 | |
| 388 | तर्कसङ्ग्रहः | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50169 | |
| 389 | तर्कसंग्रहदीपिका | अन्नम्भट्टः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19968 | |
| 390 | तर्कसंग्रहफक्किका | जगदीश भट्टा-चार्यः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50414 | |
| 391 | तर्कमृतम् | जगदीश भट्टा-चार्यः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50647 | |

32

| | | | | | | | |
|-----|----------------------|--------------------|---------------|---------|----|-------|----------------|
| 392 | तर्पणम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० | 19891 | |
| 393 | ताजिकनीलकण्ठी | नीलकण्ठः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० | 50129 | |
| 394 | ताजिकसारः | हरिहर भट्टा-चार्यः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० | 19770 | |
| 395 | ताजिकसारः | हरिहर भट्टा-चार्यः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० | 19772 | |
| 396 | ताजिकसारः | हरिहर भट्टा-चार्यः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० | 19776 | |
| 397 | तान्त्रिकयन्त्राणि | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19757 | |
| 398 | तारा तंबोल की चिट्ठी | | इतिहास | दे० ना० | ह० | 50331 | प्राचीन-हिन्दी |
| 399 | तिथिनिर्णयः | दिवाकरभट्टः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19548 | |
| 400 | तिथिनिर्णयः | वैद्यनाथः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19581 | |
| 401 | तिथिनिर्णयः | भट्टोजिदीक्षितः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० | 19620 | |
| 402 | तिथिनिर्णयः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० | 50117 | निर्णय-सारे |

33

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|------------------------|--------------|-------------|----------|-----------|----------------------|
| 403 | तिथिनिर्णयसारः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50679 | | |
| 404 | तिथ्यादिकृत्यम् | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19886 | |
| 405 | तिथ्यादिकृत्यम् | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19887 | |
| 406 | तिथ्यादिपत्री | मकरन्दः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50113 | मकरन्द- सारणी |
| 407 | तिलशतकम् | देवीसहायः | काव्य | दे० ना० | ह० 19561 | |
| 408 | तिलोचन जी की परिवर्द्ध | आनन्ददास | काव्य | दे० ना० | ह० 50531 | प्राचीन-हि हिन्दी |
| 409 | तीन श्लोक | | | | ह० 50522 | |
| 410 | तुलसीविवाहः | | काव्य | दे० ना० | ह० 50522 | |
| 411 | तुलसीविवाहविधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50181 | |
| 412 | तुलसीव्रतकथा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50451 | |
| 413 | तैत्तिरीयभाष्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50002 | |
| 414 | तैत्तिरीयभाष्य | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50294 | |
| | | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50296 | |

| | | | | | |
|-----|-----------------------------|-------------------------|---------------|---------|----------|
| 415 | तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 85 |
| 416 | तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50313 |
| 417 | तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यम् | राघवेन्द्रयति (टीका) | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50476 |
| 418 | त्रयोदशध्यानानि | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19973 |
| 419 | त्रिंशच्छ्लोकी | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50668 |
| 420 | त्रिंशच्छ्लोकीटीका | रामसेवक- त्रिपाठी | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19777 |
| 421 | त्रिंशच्छ्लोक्याष्टीका | भट्टाचार्यः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19621 |
| 422 | त्रिकालज्ञानाक्षरचिन्तामणिः | (शिवविर- चितः) | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19773 |
| 423 | त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50689 |
| 424 | त्रिपुष्कर-द्विपुष्करशान्ति | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50190 |
| 425 | त्रिविक्रमचरितचम्पू | | काव्य | दे० ना० | ह० 50403 |
| 426 | त्रिविक्रमव्यवहारः | त्रिविक्रमः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50120 |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|--------------------------------|-------------|---------------|---------|-----------|-------|
| 427 | त्रैलोक्यमङ्गलनामकवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19735 | |
| 428 | त्रैलोक्यमोहनं तन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50409 | |
| 429 | दण्डकः | | वेद | दे० ना० | ह० 50670 | |
| 430 | दत्तात्रेयतन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19999 | |
| 431 | दत्तात्रेयतन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50108 | |
| 432 | दत्तात्रेयतन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50431 | |
| 433 | दशकुमारकथासार | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19544 | |
| 434 | दशगणकारिका | दण्डी | काव्य | दे० ना० | ह० 50189 | |
| 435 | दशपात्रसमर्पणम् | वररुचिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50690 | |
| 436 | दशाफलम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19577 | |
| 437 | दानखण्डः (चतुर्वर्गचिन्तामणोः) | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19592 | |
| 438 | दानचन्द्रिकायाः पत्राणि | हेमाद्रिः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19623 | |
| | | दिवाकरः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | | |

36

| | | | | | | |
|-----|-------------------------|-------------|---------------|---------|----------|----------|
| 439 | दानचन्द्रिकायाः पत्राणि | दिवाकरः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19622 | |
| 440 | दानमयूखः | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19672 | |
| 441 | दानमयूखः | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 77 | |
| 442 | दानमयूखः | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50074 | |
| 443 | दानवाक्यावली | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 109 | |
| 444 | दिनकरी (न्याय) | महादेवदिनकर | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 116 | |
| 445 | दीपदानम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50101 | |
| 446 | दुषड्डिया-विचार | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50327 | |
| 447 | दुर्गा-टीका | रघुनाथः | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50264 | विशिष्टः |
| 448 | दुर्गादीपदानविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50727 | पाठः |
| 449 | दुर्गापद्धतिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19951 | |
| 450 | दुर्गामन्त्रप्रयोगः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50106 | |
| 451 | दुर्गासप्तशती | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19673 | |
| 452 | दुर्गासप्तशतीस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50514 | |

37

77

| | | | | | | | |
|---|-----|-----------------|-------------|---------|---------|----------|------------|
| 1 | 939 | लघुशब्दन्दुशेखर | नागोजी भट्ट | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19764 | वैदिकीप्र० |
| | | लघुशब्दन्दुशेखर | | | | | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विभाग |
|-------------|------------------------|-------------|---------------|---------|-----------|------------------------------|
| 453 | दुर्गासप्तशतीस्तोत्रम् | नागोजीभट्टः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50515 | गावर्धन- कुता व्याख्या |
| 454 | दुर्गासप्तशत्याष्टीका | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19896 | |
| 455 | दुर्गास्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50020 | |
| 456 | दुर्घटकाव्यम् (सटीकम्) | | काव्य | दे० ना० | ह० 50175 | |
| 457 | दुर्घटकाव्यम् | कुसुमदेवः | काव्य | दे० ना० | ह० 50406 | प्रथम- स्कन्ध |
| 458 | दृष्टान्तशतकम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50350 | |
| 459 | देवीध्यानम् | वेदव्यासः | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 118 | प्रथम- स्कन्ध |
| 460 | देवीभागवतम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 89 | |
| 461 | देवीमानसोपचारः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50281 | |
| 462 | देवीरहस्यतन्त्रमाला | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50097 | |
| 463 | देवीसूक्तम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50607 | |

| | | | | | | |
|-------|-------------------------|--------------|---------------|---------|----------|-----------|
| 464 | देहली दीपविधानम् | यशोधर मिश्र | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50555 | 39 |
| 465 | दैवज्ञचिन्तामणिः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 111 | |
| 466 | द्युतजयावहम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19740 | |
| 467 | द्रव्यगुणशतश्लोकी | त्रिमल्लकविः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50582 | — हि — |
| 468 | द्वयाख्यमन्त्रोद्धार | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19965 | |
| 469 | द्वादशभावविचारः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50128 | |
| 470 | द्वादशमहावाक्यनिर्णयः | संवर्तः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50479 | हिन्दी हि |
| 471 | धनभाङ्निश्चयः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50497 | |
| ✓ 472 | धनुर्विद्या | | धनुर्विद्या | दे० ना० | ह० 50413 | |
| 473 | धमार-हिन्दी | संवर्तः | काव्य | दे० ना० | ह० 50275 | हिन्दी हि |
| 474 | धर्मशास्त्रम् | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50387 | |
| 475 | धर्मशास्त्र की व्यवस्था | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50330 | |
| 476 | ध्रुवचरित्र | ग्रात्रेयः | काव्य | दे० ना० | ह० 50537 | हिन्दी हि |
| 477 | नक्षत्रपरिचूनम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19624 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|---------------------------|------------------|---------------|---------|------------|-------|
| 478 | नक्षत्रमन्त्र | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19638 | |
| 479 | नक्षत्राणां मन्त्राः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19905 | |
| 480 | नरपतिजयचर्या | नरपतिः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50082 | |
| 481 | नरपतिजयचर्या | नरपतिः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50433 | |
| 482 | नरपतिजयचर्याटीका | हरिवंशमहादेव | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50714 | |
| 483 | नलचम्पूः | त्रिविक्रम भट्टः | काव्य | दे० ना० | ह० 19569 | |
| 484 | नलचम्पूः | त्रिविक्रम भट्टः | काव्य | दे० ना० | ह० 50262 | |
| 485 | नवग्रह चक्र | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19534 | |
| 486 | नवरत्नम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50343-a | |
| 487 | नवार्णविधानम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50112 | |
| 488 | नाट्यशास्त्र के पांच पत्र | | काव्य | दे० ना० | ह० 50611 | |
| 489 | नानकचन्द्रोदयः | गङ्गारामः | काव्य | दे० ना० | ह० 50391 | |
| 490 | नामदेव जी की परिचय | | काव्य | दे० ना० | ह० 50530 | |

| | | | | | | |
|-----|----------------------------|----------------|-----------|---------|----------|------------|
| 491 | नाम राजमती विवाहला | | काव्य | दे० ना० | ह० 50472 | हिन्दी हि. |
| 492 | नामावलीस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50528 | |
| 493 | नारायणकवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50560 | |
| 494 | नारायणवर्म | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50034 | |
| 495 | नारायण हृदयस्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50452 | |
| 496 | नारायणी टीका (उत्तरार्द्ध) | नारायण पण्डितः | काव्य | दे० ना० | ह० 50216 | |
| 497 | नारायणीबलि | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19862 | |
| 498 | नारायणोपनिषद् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50525 | |
| 499 | नारायणोपनिषद् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50592 | |
| 500 | नारायणोपनिषद् भाष्य | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50675 | |
| 501 | नासिकेत पुराण | | पुराण | दे० ना० | ह० 19865 | |
| 502 | नासिकेतोपाख्यानम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50066 | |
| 503 | नासिकेतोपाख्यान | | पुराण | दे० ना० | ह० 50434 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--------------------------|--------------------------------------|----------------|---------|------------|-------|
| 504 | नित्यश्राद्धम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50021 | |
| ✓ 505 | नित्योपयोगी संग्रहः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50013 | |
| 506 | निरञ्जनमाला | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50549 | |
| 507 | निर्जला एकादशी माहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50705 | |
| 508 | निर्णयसार | वागीश भट्टा- चार्य राम- शुक्लः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19523 | |
| 509 | निर्णयसिन्धुः | कमलाकरः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19611 | |
| 510 | निर्णयसिन्धुः | कमलाकरः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19827 | |
| 511 | निर्णयामृतम् | अल्लाडनाथः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50683 | |
| 512 | निर्वाणषट्कम् | शङ्कराचार्यः | वेदान्तशास्त्र | दे० ना० | ह० 50464 | |
| 513 | नीतिग्रन्थः | | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 19807 | |
| 514 | नीतिग्रन्थः | | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 19808 | |

२

| | | | | | | |
|-----|----------------------------|-----------------------|-------------|---------|----------|--------------------|
| 515 | नीतिप्रदीपः | वेतालभट्टः | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 50347 | |
| 516 | नीतिरत्नम् | वररुचिः | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 50348 | |
| 517 | नीतिशतकम् | भर्तृहरिः | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 19663 | |
| 518 | नीतिशतकम् | भर्तृहरिः | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 50345 | |
| 519 | नीतिसारः | कवि घटखर्पर | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 50349 | |
| 520 | नीलकण्ठस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19959 | |
| 521 | नीलकण्ठी (शिशुबोधिनी टीका) | विश्वनाथ (टीकाकार) | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 73 | |
| 522 | नैनसुख | नैनसुख | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19932 | |
| 523 | नैवेद्यनिर्णयः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19707 | |
| 524 | नैषधचरित (नरहरिटीका) | श्रीहर्षः | काव्य | दे० ना० | ह० 19607 | नरहरिः टीकाकारः |
| 525 | नैषधचरितम् | श्रीहर्षः | काव्य | दे० ना० | ह० 19781 | उत्तरार्द्ध |
| 526 | नैषधीयचरितम् | श्रीहर्षः | काव्य | दे० ना० | ह० 50292 | |

43

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--|-------------------|--------------|---------|------------|--------|
| 527 | नैषधीयचरित | श्रीहर्षः | काव्य | दे० ना० | ह० 19684 | खण्डित |
| 528 | नैषकर्म्यसिद्धिः | सुरेश्वराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50196 | मटीका |
| 529 | न्याय की पुस्तक अनन्तेश्वर | केशव मिश्र | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 107 | |
| 530 | न्यायमकरन्दटीका | चित्सुखमुनि | वेदान्त | दे० ना० | ह० 91 | |
| 531 | न्यायमञ्जरी | | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 101 | |
| 532 | न्यायमुक्तावली | विश्वनाथ पञ्चाननः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50165 | |
| 533 | न्यायमुक्तावली | विश्वनाथ पञ्चाननः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50483 | |
| 534 | न्यायशास्त्र | | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19691 | खण्डित |
| 535 | न्यायशास्त्रम् | | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19693 | मटीका |
| 536 | न्यायशास्त्र के पत्र | | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19694 | |

| | | | | | | |
|-----|-------------------------------------|-------------------------------|--------------|---------|----------|-----------------|
| 537 | न्यायसिद्धान्तमञ्जरी | जानकीनाथ भट्टाचार्य चूड़ामणिः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 86 | |
| 538 | न्यायसिद्धान्तमञ्जरी | जानकीनाथ भट्टाचार्य चूड़ामणिः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19695 | |
| 539 | न्यायसिद्धान्तमञ्जरी | चूड़ामणिः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50206 | |
| 540 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली | विश्वनाथ पञ्चानन | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50217 | |
| 541 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के तीन पत्र | विश्वनाथ पञ्चानन | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 19934 | |
| 542 | न्यायामृतम् | व्यासपति | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 34 | |
| 543 | न्यायार्थलघुबोधिनी | | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50049 | (तर्क सं० टीका) |
| 544 | पञ्चकशान्तिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19906 | |
| 545 | पञ्चदशी | विद्यारण्यमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50209 | |
| 546 | पञ्चदशी | विद्यारण्यमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50274 | |

| क्र.सं. | ग्रन्थ का नाम | लेखक | विषय | मिति | पृष्ठसं. | विवरण |
|---------|-----------------------|-----------------|---------------|---------|-------------|-------|
| 327 | पञ्चवक्त्रप्रयोगः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19833 | |
| 328 | पञ्चवक्त्रप्रयोगविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19833 | |
| 329 | पञ्चरत्नम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50343-44 | |
| 330 | पञ्चमुखी हनुमत्कवचम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19915 | |
| 331 | पञ्चमुखी हनुमत्कवचम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50597 | |
| 332 | पञ्चाङ्गायी (हिन्दी) | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50596 | |
| 333 | पञ्चीकरणम् | नन्ददास | काव्य | दे० ना० | ह० 50462 | |
| 334 | पञ्चीकरणवात्तिकाशरण | सङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 64 | |
| 335 | पञ्चीकरणवात्तिक | महादेव भट्ट | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50219 | |
| 336 | पण्डितप्रशस्तिः | सुरेश्वराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19779 | |
| 337 | पदकृतम् | चन्द्रचूड भट्ट | काव्य | दे० ना० | ह० 19969 | |
| 338 | पदवीपिका | चन्द्रजसिंह | न्याय | दे० ना० | ह० 50047 | |

| | | | | | | |
|-----|----------|--------|---------|---------|------|----|
| 559 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 5 |
| 560 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 6 |
| 561 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 7 |
| 562 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 8 |
| 563 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 9 |
| 564 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 10 |
| 565 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 11 |
| 566 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 12 |
| 567 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 13 |
| 568 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 14 |
| 569 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 15 |
| 570 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 16 |
| 571 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 17 |
| 572 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 18 |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | प्रत्यक्षकर्ता | विषय | विधि | प्र. ना. प्र. | संख्या |
|-------------|-------------------|----------------|---------|---------|---------------|--------|
| 573 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 19 |
| 574 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 20 |
| 575 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 21 |
| 576 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 22 |
| 577 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 23 |
| 578 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 24 |
| 579 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 121 |
| 580 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 122 |
| 581 | पदमञ्जरी व्याख्या | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 123 |
| 582 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 124 |
| 583 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 129 |
| 584 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 130 |

| | | | | | | |
|-----|--------------|--------------|---------|---------|------|-------|
| 585 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 131 |
| 586 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 132 |
| 587 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 133 |
| 588 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 134 |
| 589 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 135 |
| 590 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 136 |
| 591 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 137 |
| 592 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 138 |
| 593 | पदमञ्जरी | हरदत्त | व्याकरण | दे० ना० | प्र० | 139 |
| 594 | पद्मपुराणम् | वेदव्यासः | पुराण | दे० ना० | ह० | 19823 |
| 595 | पद्मपुराणम् | वेदव्यासः | पुराण | दे० ना० | ह० | 19826 |
| 596 | पद्मपुराण | वेदव्यासः | पुराण | दे० ना० | ह० | 19680 |
| 597 | पद्यसंग्रहः | कविभट्टः | काव्य | दे० ना० | ह० | 50351 |
| 598 | परमहंससमाधिः | शङ्कराचार्यः | योग | दे० ना० | ह० | 50463 |

७

७

नदीक

प्रोडमनोरमा-
दीक्षा

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्था. क्र. | विषय |
|-------------|----------------------|-------------------|---------|---------|---------------|---------------------|
| 599 | परिभाषापाठः | पाणिनिमुनिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19763 | |
| 600 | परिभाषापाठः | पाणिनिमुनिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19877 | |
| 601 | परिभाषाप्रकाशिका | चन्निभट्टः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19990 | |
| 602 | पांच श्लोक | | काव्य | दे० ना० | ह० 50353 | |
| ✓603 | पाकावली | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19787 | |
| 604 | पाटीसार | विश्वरूप मुनीश्वर | गणित | दे० ना० | ह० 19549 | |
| 605 | पाणिनिशिक्षा (सटीका) | | वेदाङ्ग | दे० ना० | ह० 19980 | |
| 606 | पाणिनीय परिभाषापाठः | पाणिनिमुनिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19971 | |
| 607 | पाणिनीयशिक्षा | | वेदाङ्ग | दे० ना० | ह० 19874 | |
| 608 | पाण्डवगीता | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50581 | |
| 609 | पातञ्जलयोगसूत्रम् | पतञ्जलिः | योग | दे० ना० | ह० 50075 | भोजवृत्ति- युतम् |

85

| | | | | | | |
|------|---------------------------------|------------|-------------|---------|------------|---------------------|
| 610 | पातञ्जलयोगसूत्रम् | पतञ्जलिः | योग | दे० ना० | ह० 50221 | भोजवृत्ति- युतम् |
| ✓611 | पाराशरी (सटीक) | पाराशराः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19566 | |
| 612 | पराशरस्मृति-व्याख्या | माधवामात्य | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 92 | |
| 613 | पारिशिक्षाटीका याजुषभूषणम् | रामसूनुः | वेदाङ्ग | दे० ना० | प्र० 19655 | |
| 614 | पारिशिक्षा व्याख्या याजुषभूषणम् | रामसूनुः | वेदाङ्ग | दे० ना० | प्र० 50730 | |
| 615 | पार्थिवपूजा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19949 | |
| 616 | पार्थिवपूजाविधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50016 | |
| 617 | पार्थिवलिङ्गपूजा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50270 | |
| 618 | पार्वणश्राद्धम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19806 | |
| 619 | पार्वणश्राद्धम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19902 | |
| 620 | पार्श्वनाथ स्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50474 | |
| 621 | पाशकेवली | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50585 | |
| ✓622 | पाशावली | गर्गमुनिः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19639 | पाशकेवली |

51

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--------------------------|--------------|-----------|---------|------------|-------|
| 623 | पितृसंहिता | शङ्कराचार्यः | वेद | दे० ना० | ह० 19925 | |
| 624 | पुण्याहवाचनम् | | वेद | दे० ना० | ह० 50224 | |
| 625 | पुत्तलविधानम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50637 | |
| 626 | पुरुषसूक्तम् | | वेद | दे० ना० | ह० 50297 | |
| 627 | पुरुषोच्चारमन्त्रः | | | दे० ना० | ह० 50459 | |
| 628 | पुरुषोत्तममासमाहात्म्यम् | | | दे० ना० | ह० 50429 | |
| 629 | पुष्करमाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50225 | |
| 630 | पूजनपाठ | | पुराण | दे० ना० | ह० 19820 | |
| 631 | पौषमाहात्म्यम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50709 | |
| 632 | प्रक्रियाकौमुदी | | पुराण | दे० ना० | ह० 19761 | |
| 633 | प्रतिष्ठाप्रयोगः | रामचन्द्र | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50164 | |
| 634 | प्रत्यङ्गिरा-मालामन्त्रः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50014 | |

53

| | | | | | | |
|-------|-----------------------------------|------------------|---------------|---------|----------|--|
| 635 | प्रत्यङ्गिरा (शू० पा० तन्त्रोक्त) | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50018 | |
| 636 | प्रत्यङ्गिरा स्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19917 | |
| 637 | प्रत्यङ्गिरा स्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19967 | |
| 638 | प्रबोधचन्द्रिका | वैजल भूपतिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 59 | |
| 639 | प्रबोधचन्द्रिका | वैजल भूपतिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 126 | |
| 640 | प्रबोधचन्द्रिका | वैजल भूपतिः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 127 | |
| 641 | प्रबोधचन्द्रोदय नाटकम् | श्रीकृष्ण मिश्रः | नाटक | दे० ना० | ह० 19723 | |
| 642 | प्रबोधचन्द्रोदय नाटकम् | श्रीकृष्ण मिश्रः | नाटक | दे० ना० | ह० 19984 | |
| 643 | प्रबोधचन्द्रोदय नाटकम् | श्रीकृष्ण मिश्रः | नाटक | दे० ना० | ह० 50250 | |
| 644 | प्रभाव्याख्या (काव्यप्रदीप) | | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50214 | |
| 645 | प्रवराध्यायः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19785 | |
| 646 | प्रवराध्यायः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50001 | |
| 647 | प्रशस्तिका | बालकृष्णः | काव्य | दे० ना० | ह० 50504 | |
| ✓ 648 | प्रश्नचण्डेश्वर | चण्डेश्वरः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19799 | |

53

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|------------------------|-----------------|---------|---------|------------|---------------|
| 649 | प्रश्नदीपकः | काशिनाथः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19634 | |
| 650 | प्रश्नदीपिका | काशिनाथः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19868 | |
| 651 | प्रश्नप्रदीपः | काशिनाथः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19771 | |
| 652 | प्रश्नप्रदीपः | काशिनाथः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50131 | |
| 653 | प्रश्नवैष्णव | नारायणदास सिद्ध | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19718 | |
| 654 | प्रश्नवैष्णव | नारायणदास सिद्ध | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19993 | |
| 655 | प्रश्नसंग्रहः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19872 | प्रश्नसारः |
| 656 | प्रश्नसंग्रहः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50119 | |
| 657 | प्रश्नसारः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19882 | प्रश्नसंग्रहः |
| 658 | प्रश्नावली | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19667 | |
| 659 | प्रश्नोत्तरमणिरत्नमाला | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19769 | |

| | | | | | |
|-----|----------------------------|-----------------|-------------|---------|----------|
| 660 | प्रश्नोत्तरी | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50616 |
| 661 | प्रसन्नराघवम् | जयदेवः | नाटक | दे० ना० | ह० 50254 |
| 662 | प्रह्लादलीला | रैदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50533 |
| 663 | प्राचीन पत्र का नमूना | कृष्णजीवन शर्मा | पत्र | दे० ना० | ह० 19647 |
| 664 | प्रायश्चित्तकदम्बकम् | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50437 |
| 665 | प्रायश्चित्तग्रन्थः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50678 |
| 666 | प्रासाददेवप्रतिष्ठाप्रयोगः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19674 |
| 667 | प्रौढमनोरमा | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 32 |
| 668 | प्रौढमनोरमा | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19938 |
| 669 | प्रौढमनोरमा | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50160 |
| 670 | प्रौढमनोरमा | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50646 |
| 671 | बदरीनाथमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50395 |
| 672 | बद्रीमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 60 |

| क्रम संख्या | पुरतक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | निर्णय | प्र.या. सं. | वि.सं. |
|-------------|---------------------------------|--------------------|---------|---------|-------------|--------|
| 673 | बन्दीमोक्षस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50069 | |
| 674 | वारह श्लोक | | काव्य | दे० ना० | ह० 50358 | |
| 675 | बालकाण्ड (तुलसी) | तुलसीदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19838 | |
| 676 | बालबोध ज्योतिषम् | मुञ्जादित्यः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19635 | |
| 677 | बाल्मीकिरामायणमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50721 | |
| 678 | बाल्मीकीयम् (सटीकम्) | आनन्दबोधेन्द्र यति | इतिहास | दे० ना० | ह० 33 | ५ |
| 679 | बाल्मीकीयम् (सटीकम्) | आनन्दबोधेन्द्र यति | इतिहास | दे० ना० | ह० 40 | |
| 680 | बिल्वाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50011 | |
| 681 | बिहारीसतसई | बिहारी कवि | काव्य | दे० ना० | ह० 50258 | मटीक |
| 682 | बुद्धिविलासनी (लीलावत्याष्टीका) | गणेश दैवज्ञ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50357 | |
| 683 | बुधाष्टमी कथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50180 | |

| | | | | | | |
|-----|--------------------|------------------|-------------|---------|----------|--------|
| 684 | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50360 | |
| 685 | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50669 | |
| 686 | बृहज्जातकम् | वराहमिहिरः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50700 | |
| 687 | बृहदारण्यकोपनिषद् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 79 | |
| 688 | बृहन्नारदीयम् | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50063 | |
| 689 | ब्रह्मकूर्च | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50519 | |
| 690 | ब्रह्मजिज्ञासा | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19864 | हिन्दो |
| 691 | ब्रह्मयज्ञः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50520 | |
| 692 | ब्रह्मसूत्र | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50224 | |
| 693 | ब्रह्मसूत्रवृत्तिः | रामानन्द सरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 90 | |
| 694 | ब्रह्मसूत्रवृत्तिः | रामानन्द सरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50155 | |
| 695 | ब्रह्मामृतवर्षिणी | रामानन्द सरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50309 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-----------------------------|--------------------------------|---------|---------|------------|-------------------|
| 696 | ब्रह्मोत्तरखण्डः (स्कान्दे) | शङ्कराचार्यः श्रीधरस्वामी | पुराण | दे० ना० | ह० 50099 | सुबोधिनी टीका |
| 697 | ब्राह्मणोपनिषद्-भाष्य | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 84 | |
| 698 | भगवद्गीता (सटीका) | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 35 | |
| 699 | भगवद्गीता | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19536 | |
| 700 | भगवद्गीता | गिरधर विष्णुपुरी परमहंसः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50641 | सहस्र- नामसहित |
| 701 | भगवद्गीता (पद्यानुवाद) | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50493 | हिन्दी - १५५ |
| 702 | भगवद्भक्तिरत्नावली | | पुराण | दे० ना० | ह० 19760 | भक्तिशास्त्र |
| 703 | भगवद्भक्तिरत्नावली | | पुराण | दे० ना० | ह० 50382 | भक्तिशास्त्र |
| 704 | भर्तृहरि-शतक | भर्तृहरि | काव्य | दे० ना० | ह० 19989 | |
| 705 | भवरुद्रकल्पवल्ली | भवदेव | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50377 | |

| | | | | | | |
|-----|--------------------------|---------------|--------------|---------|----------|-------------------|
| 706 | भवानन्दीव्याख्याटीका | महादेव भट्ट | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 63 | सर्वोपका- रिणी |
| 707 | भागवत | व्यासमुनि | पुराण | दे० ना० | ह० 19535 | चतुर्थ स्कन्ध |
| 708 | भागवत (प्र० स्क०) | व्यासमुनि | पुराण | दे० ना० | ह० 50058 | |
| 709 | भागवत | व्यासमुनि | पुराण | दे० ना० | ह० 50147 | |
| 710 | भागवतपुराण | व्यासमुनि | पुराण | दे० ना० | ह० 19595 | |
| 711 | भागवत महापुराण (सटीक) | श्रीधरस्वामी | पुराण | दे० ना० | ह० 47 | १२ श स्कन्ध |
| 712 | भागवत माहात्म्य | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 62 | पादमे |
| 713 | भागवत माहात्म्यम् | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50630 | |
| 714 | भागवत (श्रीधरी) | श्रीधर स्वामी | पुराण | दे० ना० | ह० 50240 | |
| 715 | भामती (शां० भा० विवृतिः) | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50672 | |
| 716 | भावसंग्रहः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50081 | |
| 717 | भावफलम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19822 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | निर्णय | ग्रन्थसंख्या | विषय |
|-------------|------------------------|-------------|---------|---------|--------------|-------------------|
| 718 | भावविवृति: | माधवः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50365 | |
| 719 | भाषाचित्र के पांच पद्य | | काव्य | दे० ना० | ह० 50355 | |
| 720 | भाषानुशासनम् | यशः कविः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50314 | (भाषा-भानुः) |
| 721 | भाषाभानुः | यशः कविः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50401 | (भाषा-नुशासन) |
| 722 | भाषालीलावती | मथुरानाथ | गणित | दे० ना० | ह० 50579 | 8 |
| 723 | भास्वतीकरण | शतानन्द | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19832 | |
| 724 | भास्वती | शतानन्द | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19846 | |
| 725 | भास्वती | शतानन्द | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50056 | |
| 726 | भास्वती | शतानन्द | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50122 | |
| ✓727 | भुवनकोशः | नृसिंह गणक | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19585 | सि० शिरो-मणिद्वय० |

| | | | | | |
|------|-----------------------|-----------|---------------|---------|----------|
| 728 | भुवनदीपक | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50321 |
| 729 | भुवनदीपकटीका | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50489 |
| 730 | भूगोलवर्णनम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 19626 |
| 731 | भूतडामरतन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 20000 |
| ✓732 | भृगुसंहिता | भृगु ऋषि | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19602 |
| ✓733 | भृगुसंहिता (कुछ पत्र) | भृगु ऋषि | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19627 |
| ✓734 | भृगुसंहिता | भृगु ऋषि | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50090 |
| ✓735 | भृगुसूत्र | भृगु ऋषि | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19981 |
| 736 | भृङ्गदूतम् | परमानन्दः | काव्य | दे० ना० | ह० 50333 |
| 737 | भृङ्गदूतम् | परमानन्दः | काव्य | दे० ना० | ह० 50404 |
| 738 | भैरवशान्तिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50544 |
| 739 | भैरवाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19750 |
| 740 | मकरन्द-विवरण | दिवाकर | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50132 |
| 741 | मकरन्दसारिणी | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19840 |

श्री गोपिकान्त मोहन भा
भायोजी द्वारा सम्पादित
सं. सा. परिष्कार कलकत्ता से

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|----------------------|--------------------|-------------|---------|------------|------------------|
| 742 | मकरन्दोदाहरणम् | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19836 | |
| 743 | मकरन्दोदाहरणम् | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19837 | |
| 744 | मण्डलब्राह्मणम् | | वेद | दे० ना० | ह० 50518 | |
| 745 | मथुरामाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50505 | |
| 746 | मदन-निघण्टुः | मदनपाल | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19931 | |
| 747 | मदनरत्नप्रदीप | मदनसिंहदेव | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19552 | |
| 748 | मधुसूदनी (गीता-टीका) | मधुसूदन सरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50482 | |
| 749 | मध्यकौमुदी | वरदराज | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19857 | |
| 750 | मध्यमकल्पः | शाङ्गधर | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19909 | हि० टीका सहित |
| 751 | मध्यसिद्धान्तकौमुदी | वरदराज | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50400 | |
| 752 | मनुष्यजातक | समरसिंह | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19559 | |

| | | | | | | |
|-----|-------------------------------|--------------------------|---------------|---------|----------|---------|
| 753 | मनुस्मृतिः | मनुः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50163 | |
| 754 | मनोदूतम् | रामवर्मा | काव्य | बंगला | प्र० 1 | |
| 755 | मन्त्रमुक्तावली | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19845 | |
| 756 | मन्त्रशास्त्र (षट्कर्मदीपिका) | कृष्णानन्द भट्टाचार्य | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50691 | |
| 757 | मन्त्रशुद्धिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50109 | |
| 758 | मन्दराचलः (निर्णयामृतस्यटीका) | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50682 | |
| 759 | मयूरचित्रम् | नारद मुनिः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19913 | |
| 760 | मलमासनिर्णयः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50118 | |
| 761 | महाकाव्य शिशुपालवध | | काव्य | दे० ना० | ह० 50139 | |
| 762 | महाप्रस्थान-स्वर्गारोहण | व्यासमुनि | इतिहास | दे० ना० | ह० 50390 | |
| 763 | महाभारत (नीलकण्ठीयुक्त) | नीलकण्ठसूरिः | इतिहास | दे० ना० | ह० 52 | कुछ भाग |
| 764 | महाभारत (फारसी अनु०) | | इतिहास | फारसी | ह० 19603 | — फारसी |
| 765 | महाभारत (नीलकण्ठीयुक्त) | नीलकण्ठसूरिः | इतिहास | दे० ना० | ह० 50077 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विभाग |
|-------------|---------------------------|-----------------|---------------|---------|------------|-----------------|
| 766 | महाभारत | व्यासमुनि | इतिहास | दे० ना० | ह० 50149 | |
| 767 | महाभाष्य (कुछ पत्र) | पतञ्जलिमुनि | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19880 | |
| 768 | महाभाष्य | पतञ्जलिमुनि | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50200 | |
| 769 | महाभाष्यप्रदीप | कैयट | व्याकरण | दे० ना० | ह० 28 | |
| 770 | महामृत्युञ्जयपूजनादिविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19751 | |
| 771 | महार्णवः (कर्मविपाकः) | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50638 | |
| 772 | महालक्ष्मी पूजाविधिः | | पुराण | दे० ना० | ह० 19753 | |
| 773 | महिम्नः स्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्य | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50295 | |
| 774 | महिम्नः स्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्य | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50507 | |
| 775 | महिम्नः स्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्य | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50573 | मटीक |
| 776 | महिम्नः स्तोत्रम् | पुष्पदन्ताचार्य | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50719 | |
| 777 | महिषासुरमर्दिनीपटलः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50104 | कुलचूडा- मणौ |

| | | | | | | |
|-----|------------------|----------------|---------------|---------|----------|------------------------------------|
| 778 | माघकाव्यम् | माघकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 19724 | |
| 779 | माघकाव्यम् | माघकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 19782 | |
| 780 | माघकाव्यम् | माघकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50455 | |
| 781 | माघमाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50398 | |
| 782 | माघमाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50430 | |
| 783 | माघमाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50490 | |
| 784 | माण्डूक्यभाष्यम् | गौड़पाद | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50316 | |
| 785 | मातृकानिघण्टुः | महीदास | कोष | दे० ना० | ह० 50284 | |
| 786 | माधवनिदानम् | माधवकरः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19907 | सटीक |
| 787 | माधवनिदानम् | माधवकरः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19930 | |
| 788 | मानसीपूजा | शङ्कराचार्य | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50460 | |
| 789 | मानसोल्लासः | सुरेश्वराचार्य | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50303 | दक्षिणा- मूर्तिस्तोत्र भाष्य |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विषय |
|-------------|--------------------------------|------------------|----------------|---------|-----------|------|
| 790 | मारणस्तोत्रम् | | | | | |
| 791 | मार्गशिरमाहात्म्य | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50511 | |
| 792 | मार्गशिरमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 50394 | |
| 793 | मार्गशीर्षमाहात्म्य | | पुराण | दे० ना० | ह० 19821 | |
| 794 | मालतीमाधवम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50126 | |
| 795 | मालतीमाधवम् | भवभूतिः | नाटक | दे० ना० | ह० 50248 | |
| ✓ 796 | मासभावाध्यायः | भवभूतिः | नाटक | दे० ना० | ह० 50416 | |
| 797 | मासिकश्राद्धविधिः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50371 | |
| 798 | मिताक्षरा (बृहदारण्यकव्याख्या) | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19978 | |
| 799 | मिताक्षरा (याज्ञवल्क्यटीका) | नित्यानन्दाश्रमः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 88 | |
| 800 | मिताक्षरा (याज्ञवल्क्यटीका) | विज्ञानेश्वरः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50660 | |
| 801 | मीमांसाकौमुदी | विज्ञानेश्वरः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50680 | |
| | | | मीमांसाशास्त्र | दे० ना० | ह० 50154 | |

२

| | | | | | | |
|-------|----------------------|-----------------------|----------------|---------|----------|-----------|
| 802 | मीमांसान्यायप्रकाशः | | मीमांसाशास्त्र | दे० ना० | ह० 50158 | |
| 803 | मीमांसाभाष्य | शबरस्वामी | मीमांसा | दे० ना० | ह० 65 | |
| 804 | मुकुन्दमाला | राजाकुलशेखर | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50338 | |
| 805 | मुक्तावलीप्रकाश | महादेवः | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50218 | |
| 806 | मुण्डकभाष्यम् | शङ्कराचार्य | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50304 | |
| 807 | मुण्डकोपनिषद् | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 80 | |
| ✓ 808 | मुष्टिप्रश्न | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50325 | |
| ✓ 809 | मुहूर्तगणपतिः | गणपति रावल | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19839 | |
| 810 | मुहूर्तगणपतिः | गणपति रावल | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50176 | |
| 811 | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | गोविन्द ज्यौ- तिषी | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19527 | पीयूषधारा |
| 812 | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | गोविन्द ज्यौ- तिषी | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19528 | |
| 813 | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | रामदैवज्ञः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19550 | पीयूषधारा |
| 814 | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | रामदैवज्ञः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19560 | पीयूषधारा |

६७

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|-----------------------|-------------|---------------|---------|-----------|-------|
| 815 | मुहूर्तचिन्तामणिटीका | रामदेवज्ञः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19578 | |
| 816 | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50174 | |
| 817 | मुहूर्तचिन्तामणिः | रामदेवज्ञः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50379 | |
| 818 | मुहूर्तमञ्जरी | यदुनन्दनः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50057 | |
| 819 | मुहूर्तमार्तण्डः | नारायणः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50115 | |
| 820 | मुहूर्तमार्तण्डटीका | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50372 | |
| 821 | मुहूर्तमार्तण्डवल्लभा | नारायणः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19683 | |
| 822 | मुहूर्तमुक्तावली | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50257 | |
| 823 | मूल्याध्यायभाष्य | गोपालश्री | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50701 | |
| 824 | मृत्युञ्जयजपविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19804 | |
| 825 | मेघदूतकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19780 | |
| 826 | मेघदूतकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50320 | |

| | | | | | | |
|-----|---------------------------|--------------|-----------|---------|----------|---------|
| 827 | मेघदूतकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19679 | |
| 828 | मेघदूतकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19678 | सटीक |
| 829 | मेघदूतम् | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19851 | सटीक |
| 830 | मेघदूतम् | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19852 | |
| 831 | मेघदूतम् | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50183 | |
| 832 | मेघदूतम् | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50241 | |
| 833 | मेघदूतम् | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50494 | |
| 834 | मेघदूतस्य टीका | सुमतिविजयः | काव्य | दे० ना० | ह० 50246 | अवचूरिः |
| 835 | मेघमाला | (रुद्रयामले) | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19818 | |
| 836 | मेघमाला | मेघराज मुनिः | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50324 | |
| 837 | मेघाभ्युदयकाव्यम् | केलिकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50603 | |
| 838 | मोक्षदा-एकादशीमाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50708 | |
| 839 | यजुः संहिता के कुछ पत्र | | वेद | दे० ना० | ह० 50280 | |
| 840 | यज्ञोपवीतप्रतिष्ठाविधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50523 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|---------------------------|-------------|---------------|---------|------------|-----------------------------|
| 841 | यतिपञ्चकम् | शङ्कराचार्य | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50335 | |
| 842 | यन्त्रचिन्तामणिः | दामोदरः | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19633 | |
| 843 | यन्त्रचिन्तामणिः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50288 | |
| 844 | यन्त्रचिन्तामणि के ३ पत्र | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50725 | |
| 845 | यन्त्रप्रतिष्ठाविधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50688 | |
| 846 | यन्त्रराजः | जयसिंह | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19540 | |
| 847 | याजुषोक्तगृह्यसूत्रम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 112 | पारस्कर गृ० सू० |
| 848 | याज्ञवल्क्य (अपरार्क) | याज्ञवल्क्य | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50236 | |
| 849 | याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्रम् | याज्ञवल्क्य | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 102 | या०स्मृ० अपरार्क टीका |
| 850 | याज्ञवल्क्यशिक्षा | याज्ञवल्क्य | वेदाङ्ग | दे० ना० | ह० 50574 | |

70

| | | | | | | |
|-----|-------------------|-----------------------|---------------|----------|---------------------|--------|
| 851 | याज्ञवल्क्यस्मृति | याज्ञवल्क्य | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50235 | |
| 852 | युद्धचिन्तामणिः | रामसेवकशर्मा | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50361 | |
| 853 | योगचिन्तामणिः | हर्षकीर्तिः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50439 | |
| 854 | योगमणिप्रभा | रामानन्द सर- स्वती | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 119 | |
| 855 | योगवासिष्ठ | वेदव्यास | वेदान्त | दे० ना० | ह० 36 | |
| 856 | योगवासिष्ठ | | वेदान्त | गुरुमुखी | ह० 19606 | पंजाबी |
| 857 | योगवासिष्ठसारः | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50286 | |
| 858 | योगशत | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19601 | |
| 859 | योगशतक | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० {19546 19567} | |
| 860 | योगशतकम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19811 | |
| 861 | योगार्णवः | व्यङ्कटेश्वर | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19982 | |
| 862 | योगावली | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19641 | |
| 863 | योगिनीतन्त्र | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50100 | |

71

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|----------------------------|-------------------------|-------------|---------|-----------|-------|
| 864 | रघुवंशकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19727 | |
| 865 | रघुवंशकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50576 | |
| 866 | रघुवंशकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50242 | |
| 867 | रघुवंशकाव्य | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19847 | |
| 868 | रत्नकोशः | व्यासमुनिः | कोष | दे० ना० | ह० 50410 | |
| 869 | रत्नमाला | महादेव | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19545 | |
| 870 | रत्नवाक्यावली | परमहंस नारा- यणतीर्थ | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 114 | |
| 871 | रत्नसंग्रहः (भा० टी० सहित) | बधाऊराम | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19794 | |
| 872 | रत्नावली | श्रीहर्षः | काव्य | दे० ना० | ह० 50253 | |
| 873 | रत्नावली नाटिका | श्रीहर्षः | काव्य | दे० ना० | ह० 19682 | |
| 874 | रमलप्रश्नसंग्रहः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50114 | |
| 875 | रमलशास्त्र | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50088 | |

| | | | | | | |
|-----|--------------------------|---------------|------------|---------|----------|------|
| 876 | रम्भाशुकसंवादः | | काव्य | दे० ना० | ह० 19669 | |
| 877 | रसचन्द्रिका | | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50282 | |
| 878 | रसमञ्जरी | भानुदत्तमिश्र | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19576 | |
| 879 | रसमञ्जरी (टीका) | विश्वेश्वरः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19584 | |
| 880 | रसमञ्जरी | शालिनाथ | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50440 | |
| 881 | रसमञ्जरी | भानुदत्तमिश्र | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50622 | |
| 882 | रसिकप्रिया | केशवदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50148 | |
| 883 | रसेन्द्रचिन्तामणिः | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50038 | टीका |
| 884 | रसेन्द्रचिन्तामणिः | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50072 | |
| 885 | राघवपाण्डवीयम् (सटीकम्) | शशिधरः | काव्यम् | दे० ना० | ह० 19539 | |
| 886 | राजमार्तण्ड (कैवल्यपादः) | भोजराज | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 57 | टीका |
| 887 | राजावली | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50123 | करण |
| 888 | राधाविनोदकाव्यम् | रामचन्द्रकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50405 | |
| 889 | राधाष्टमीव्रतम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 19759 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|----------------------|---|---------|----------|------------|-------|
| 890 | राधास्तवराजः | दैवज्ञसूरिः दैवज्ञः पण्डित-सूर्यः दैवज्ञः पण्डित-सूर्यः दैवज्ञः पण्डित-सूर्यः दैवज्ञः पण्डित-सूर्यः रामवर्मा | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50445 | |
| 891 | रामकृष्णकाव्य टीका | | काव्य | दे० ना० | ह० 19573 | |
| 892 | रामकृष्णकाव्यम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 19783 | |
| 893 | रामकृष्णकाव्यम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50040 | |
| 894 | रामकृष्णविलोमकाव्यम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50247 | |
| 895 | रामकेरली | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19767 | |
| 896 | रामगीता | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50198 | |
| 897 | रामगीता | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50513 | |
| 898 | रामगीताटीका | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50378 | |
| 899 | रामचन्द्रस्तवराजः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50277 | |
| 900 | रामचरितमानस | | इतिहास | गुरुमुखी | ह० 50318 | |

| | | | | | | |
|-----|------------------------|-----------|---------------|---------|----------|------------|
| 901 | रामनामलिखनविधिः | रामानुजः | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 37 | रुद्रयामले |
| 902 | रामपद्धतिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50276 | |
| 903 | राममन्त्रपद्धतिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50278 | |
| 904 | राममन्त्रविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19944 | |
| 905 | रामरक्षा | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50546 | |
| 906 | रामरक्षास्तोत्र | गोरखनाथजी | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50447 | |
| 907 | रामरक्षास्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50556 | |
| 908 | रामसहस्रनामस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50567 | |
| 909 | रामस्तवराजस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50568 | |
| 910 | रामायण | | काव्य | दे० ना० | ह० 49 | |
| 911 | रामाश्वमेधः | तुलसीदास | पुराण | दे० ना० | ह० 50062 | पाञ्च |
| 912 | रामाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50010 | |
| 913 | रामाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50545 | |
| 914 | रामाज्ञा (अवधी हिन्दी) | तुलसीदास | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19716 | —हि— |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|-------------------------|------------------|-----------------|---------|------------|----------------|
| 915 | रामाज्ञाशकुनावली | तुलसीदास | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50694 | |
| 916 | रासपञ्चाध्यायीटीका | | पुराण | दे० ना० | ह० 50251 | |
| ✓ 917 | रुक्मिनिश्चयः | माधवकरः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50601 | माधव- निदान |
| 918 | रुद्रजापः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50671 | |
| 919 | रुद्रजाप्यम् | | मन्त्रशास्त्रम् | दे० ना० | ह० 19923 | |
| 920 | रुद्रपाठः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50662 | |
| 921 | रुद्रयामलतन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50096 | |
| 922 | रुद्रयामले कालीपञ्चबाणः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19844 | |
| 923 | रुद्राध्यायः | | वेद | दे० ना० | ह० 19889 | |
| 924 | रुद्राष्टाध्यायी | | वेद | दे० ना० | ह० 19745 | |
| 925 | रेखागणित (बीजगणित) | सम्राट् जगन्नाथः | गणित | दे० ना० | ह० 19553 | |
| 926 | लक्ष्मीकान्तशिक्षा | लक्ष्मीकान्तः | वेदाङ्ग | दे० ना० | प्र० 19652 | |

67

| | | | | | | |
|-------|--------------------------|-------------------|---------------|---------|----------|----------------------|
| 927 | लक्ष्मीनृसिंहमन्त्रविधिः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19869 | |
| 928 | लक्ष्मीहृदयम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50064 | |
| 929 | लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50716 | |
| 930 | लक्ष्मीहृदयस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50717 | |
| ✓ 931 | लग्नप्रश्नावली | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50133 | |
| 932 | लग्नवाराही | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19883 | |
| 933 | लघुगीता | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50558 | |
| 934 | लघुजातकम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50116 | |
| 935 | लघुजातकम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50362 | |
| ✓ 936 | लघुभृगुसंहिता | वररुचिः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19628 | |
| 937 | लघुवाक्यवृत्ति | भट्टाचार्य स्वामी | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50308 | सटीक |
| 938 | लघुशब्दरत्न | हरिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 38 | प्रौढमनोरमा- टीका |
| 939 | लघुशब्देन्दुशेखर | नागोजी भट्ट | व्याकरण | दे० ना० | ह० 39 | |
| 940 | लघुशब्देन्दुशेखर | नागोजी भट्ट | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19764 | वैदिकीप्र० |

77

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|---------------|-------------|------|------|------------|-------|
|-------------|---------------|-------------|------|------|------------|-------|

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|---------------------|------------------|-----------|---------|------------|-------|
| 941 | लघुशब्देन्दुशेखर | | | | | |
| 942 | लघुसामुद्रिकम् | नागेश | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19848 | |
| 943 | लिङ्गपुराणम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19798 | |
| 944 | लिङ्गानुशासनम् | वेदव्यासः | पुराण | दे० ना० | ह० 50093 | |
| 945 | लिङ्गानुशासनवृत्तिः | पाणिनि मुनि | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19646 | |
| 946 | लिङ्गार्चनपद्धतिः | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50071 | |
| 947 | लीलावती | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19894 | |
| 948 | लीलावती | भास्कराचार्य | गणित | दे० ना० | ह० 50084 | |
| 949 | लीलावती के तीन पत्र | भास्कराचार्य | गणित | दे० ना० | ह० 50089 | |
| 950 | लोहार्गलमाहात्म्यम् | भास्कराचार्य | गणित | दे० ना० | ह० 50425 | |
| 951 | लौगाक्षि मीमांसा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50397 | |
| | | लौगाक्षि-भास्करः | मीमांसा | दे० ना० | ह० 50305 | |

88

| | | | | | | |
|-----|----------------------|------------------------|---------------|---------|----------|-------|
| 952 | वज्रसूची | | | | | |
| 953 | वटुकपद्धतिः | शङ्कराचार्यः | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 19711 | |
| 954 | वरदगणेशस्तोत्रम् | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50643 | |
| 955 | वर्षतन्त्रटीका | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50687 | |
| 956 | वसन्तराजशाकुनम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50086 | |
| 957 | वाक्यदीपिका | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19768 | |
| 958 | वाक्यदीपिका | हरियशोमिश्र | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19867 | |
| 959 | वाक्यवृत्तिः | हरियशीमिश्र | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50211 | |
| 960 | वाक्यवृत्तिप्रकाशिका | विश्वेश्वरः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50048 | |
| | | रामानन्द-सरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50195 | |
| 961 | वाक्यसुधा (टीका) | भारतीर्थः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19842 | |
| 962 | वाक्यसुधा (टीका) | ब्रह्मानन्द-भारतीतीर्थ | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50285 | |
| 963 | वाक्यसुधा (टीका) | ब्रह्मानन्द-भारतीतीर्थ | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50467 | सटीका |

79

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-------------------------|-------------|-----------------|----------|------------|-------|
| 964 | वाक्य-सुधा (तीन पत्र) | | | | | |
| 965 | वाग्भटालङ्कारः | वाग्भटः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50642 | |
| 966 | वाग्भटालङ्कारः | वाग्भटः | अलङ्कार-शास्त्र | दे० ना० | ह० 19730 | |
| 967 | वाग्भूषणं काव्यम् | वाग्भटः | अलङ्कार-शास्त्र | दे० ना० | ह० 50731 | |
| 968 | वाग्भूषणम् | रामचन्द्रः | काव्य | दे० ना० | ह० 19970 | सटीक |
| 969 | वाणीभूषणम् | रामचन्द्रः | काव्य | दे० ना० | ह० 50411 | |
| 970 | वापीकूपतडागादिप्रतिष्ठा | दामोदरः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 50041 | |
| 971 | वापीकूपतडागादिप्रतिष्ठा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50172 | |
| 972 | वामनपुराण | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50666 | |
| ✓ 973 | वाराही संहिता | व्यास मुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19612 | |
| 974 | वाराही संहिता | वराहमिहिर | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 100 | |
| | | वराहमिहिर | ज्यौतिष | गुरुमुखी | ह० 50374 | |

०८

| | | | | | | |
|-----|--------------------------------|---------------------|-------------|---------|----------|---------------|
| 975 | वाराही संहिता (भट्टोत्पलीयुता) | भट्टोत्पलः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50375 | |
| 976 | वारुण-प्रतिष्ठा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 105 | |
| 977 | वासवदत्ता | सुबन्धु | काव्य | दे० ना० | ह० 41 | |
| 978 | विक्रमोर्वशीयम् | कालिदास | नाटक | दे० ना० | ह० 50249 | |
| 979 | विचारमाल (हिन्दी) | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50594 | - १६ |
| 980 | विजयदशमीकृत्यम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50179 | |
| 981 | विदग्धमाधवम् | रूप गोस्वामी | नाटक | दे० ना० | ह० 19645 | |
| 982 | विदग्धमुखमण्डनम् (सटीकम्) | धर्मदासः | काव्य | दे० ना० | ह० 19568 | टीका-१६-लिपि- |
| 983 | विद्वद्भूषणम् | बालकृष्णकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50415 | |
| 984 | विन्मोदतरङ्गिणी | चिरञ्जीवभट्टा-चार्य | काव्य | दे० ना० | ह० 50244 | |
| 985 | विनायकव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 19743 | |
| 986 | विप्रलक्षणा | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50590 | |
| 987 | विराटपर्व | व्यासमुनिः | इतिहास | दे० ना० | ह० 50227 | |

विद्व-

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|----------------------|---------------|---------------|---------|-----------|----------------------|
| 988 | विवाहपद्धति: | | | | | |
| 989 | विवाहपद्धति: (सटीक) | | | | | |
| 990 | विवाहवृन्दावन | हलायुध | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19861 | |
| 991 | विश्रामोपनिषत् | गोपालमिश्र | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 106 | |
| 992 | विश्वावसुपञ्चदशी | शङ्कराचार्य | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 72 | |
| 993 | विष्णोरष्टाविंशतिनाम | | उपनिषद् | दे० ना० | ह० 50461 | |
| 994 | विष्णुचिह्नधारणम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50065 | |
| 995 | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50541 | |
| 996 | विष्णुपञ्जरस्तोत्रम् | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50610 | |
| 997 | विष्णुपुराण (हिन्दी) | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50182 | |
| 998 | विष्णुपुराण | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50561 | |
| 999 | विष्णुसहस्रनाम | व्यासमुनि: | पुराण | दे० ना० | ह० 19789 | (हिन्दी - हिं, भाषा) |
| | | व्यासमुनि: | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50146 | |
| | | | | दे० ना० | ह० 19737 | |

| | | | | | | |
|------|--------------------------------|-------------|---------------|---------|----------|----------|
| 1000 | विष्णुसहस्रनाम भाष्य | शङ्कराचार्य | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50210 | |
| 1001 | विष्णुसहस्रनाम शां० भा० | शङ्कराचार्य | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50238 | |
| 1002 | विष्णुसहस्रनाम (सटीक) | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 42 | |
| 1003 | विष्णुसहस्रनाम (पादो) | व्यासमुनि | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19948 | |
| 1004 | विष्णुसहस्रनामावली | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50540 | |
| 1005 | विष्णुहृदयस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19946 | |
| 1006 | विष्णोर्वृद्धसहस्रनामस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50613 | |
| 1007 | वीरभद्रतन्त्र | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19927 | |
| 1008 | वीरसिंहावलोकः | वीरसिंह देव | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19530 | |
| 1009 | वीरसिंहावलोकः | वीरसिंह देव | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19531 | |
| 1010 | वीरसिंहावलोकः | वीरसिंह देव | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19928 | |
| 1011 | वृत्तरत्नाकरः | भट्ट केदारः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 19571 | |
| 1012 | वृत्तरत्नाकरः (सटीकः) | भट्ट केदारः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 19728 | सेतुटीका |
| 1013 | वृत्तरत्नाकरः | भट्ट केदारः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 50157 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|------------------------|------------------|--------------|---------|------------|---------------|
| 1014 | वृत्तरत्नाकरः (ससेतुः) | भट्ट केदारः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 50039 | |
| 1015 | वृद्धपाराशरधर्मशास्त्र | वृद्धपाराशरः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50681 | |
| 1016 | वृद्धसूर्यरिणकर्मविपाक | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50215 | |
| 1017 | वृषोत्सर्गः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50703 | |
| 1018 | वेगराज (विवेकः) | महेश्वरमिश्र | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 103 | वेगराज-संहिता |
| 1019 | वेदस्तुतिव्याख्या | वनमाली पण्डितः | पुराण | दे० ना० | ह० 50631 | |
| 1020 | वेदान्तपञ्चदशी (सटीक) | रामकृष्णः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50376 | |
| 1021 | वेदान्त परिभाषा | धर्मराजदीक्षितः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50199 | सटीका |
| 1022 | वेदान्तमुक्तावली | प्रकाशानन्दः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19709 | |
| 1023 | वेदान्तसारः | सदानन्दः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19710 | |
| 1024 | वेदान्तसार टीका | अन्यसिंह सरस्वती | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50137 | |

| | | | | | | |
|------|------------------------|---------------------|-----------|---------|----------|------------|
| 1025 | वेदान्तसिद्धान्तदीपिका | वैकुण्ठशिष्या-चार्य | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50478 | |
| 1026 | वेदोक्त शिवपूजन | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50051 | |
| 1027 | वेदोक्तसन्ध्या | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50017 | |
| 1028 | वैद्यकग्रन्थः | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19665 | नाम अज्ञात |
| 1029 | वैद्यकग्रन्थः | नारायणः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50516 | नाम अज्ञात |
| 1030 | वैद्यकशास्त्र के पत्र | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19713 | नाम अज्ञात |
| 1031 | वैद्यचन्द्रोदयः | त्रिमल्लकविः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50583 | |
| 1032 | वैद्यजीवनम् | लोलिम्बराजः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50386 | |
| 1033 | वैद्यजीवनम् | लोलिम्बराजः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50602 | |
| 1034 | वैद्यप्रकाशः | गणेश | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19662 | हिन्दी-हिं |
| 1035 | वैद्यमनोत्सव (भाषा) | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19908 | हिं |
| 1036 | वैद्यमनोरथः | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19664 | |
| 1037 | वैद्यरत्नप्रकाशः | रामचन्द्रः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19871 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | प्रणयकर्ता | विषय | निर्माण | प्रकाशक | विवरण |
|-------------|------------------------|----------------|---------|---------|----------|------------|
| 1038 | वैद्यामृतम् | गोरेद्वरः | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50580 | |
| 1039 | वैयाकरणभूषणम् | कौण्डभट्टः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19762 | |
| 1040 | वैयाकरणभूषणसारः | कौण्डभट्टः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19849 | |
| 1041 | वैयाकरणभूषणसारः | कौण्डभट्टः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19872 | |
| 1042 | वैयाकरणभूषणसारः | कौण्डभट्टः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50050 | |
| 1043 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19855 | |
| 1044 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19936 | |
| 1045 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19937 | मोक्ष पत्र |
| 1046 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19766 | |
| 1047 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19996 | |
| 1048 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50162 | |
| 1049 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50205 | |

| | | | | | | |
|------|--------------------------------|-----------------|-------------|---------|----------|-------------|
| 1050 | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50207 | |
| 1051 | वैयाकरणसिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50232 | |
| 1052 | वैयाकरणसिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19677 | पूर्वार्द्ध |
| 1053 | वैयाकरणसिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19676 | उत्तरार्द्ध |
| 1054 | वैयाकरणसिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19935 | उत्तरार्द्ध |
| 1055 | वै० सिद्धान्तचन्द्रिकायाष्टीका | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19976 | कुछ पत्र |
| 1056 | वै० सिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या | सदानन्दः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19942 | |
| 1057 | वैराग्यशतकम् | भर्तृहरि | काव्य | दे० ना० | ह० 19668 | |
| 1058 | वैराग्यशतकम् | भर्तृहरि | काव्य | दे० ना० | ह० 50032 | |
| 1059 | वैराग्यशतकम् | भर्तृहरि | काव्य | दे० ना० | ह० 50044 | |
| 1060 | वैराग्यशतकम् | भर्तृहरि | काव्य | दे० ना० | ह० 50344 | |
| 1061 | वैशाखमाहात्म्यम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50392 | |
| 1062 | वैश्यसन्ध्या | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19904 | |
| 1063 | व्यवहारकाण्ड | विश्वेश्वर भट्ट | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19588 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|-----------------------------------|----------------|--------------|---------|-----------|-------------------|
| 1064 | व्यवहारचमत्कारः | रूपनारायणः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19640 | वीर- मित्रोदयः |
| 1065 | व्यवहारप्रकाश (व्यवहारकाण्ड) | वीरमित्र | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19538 | |
| 1066 | व्यवहारप्रदीपः | पद्मनाभः | धर्मशास्त्रः | दे० ना० | ह० 50380 | |
| 1067 | व्याकरणग्रन्थः | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50166 | |
| 1068 | व्याकरणमहाभाष्य | पतञ्जलि | व्याकरण | दे० ना० | ह० 43 | ग्रमरटीका |
| 1069 | व्याख्यासुधा | भानुजी दीक्षित | कोष | दे० ना० | ह० 50191 | |
| 1070 | व्याप्तिविषयकस्तर्कशास्त्रग्रन्थः | | तर्कशास्त्र | दे० ना० | ह० 50684 | |
| 1071 | व्याप्तिसंग्रहः | | तर्कशास्त्र | दे० ना० | ह० 19860 | |
| 1072 | व्यासशिक्षा | व्यासमुनिः | वेदाङ्ग | दे० ना० | ह० 19656 | ६८ |
| 1073 | व्याससूत्रवृत्तिः | रङ्गनाथ | वेदान्त | दे० ना० | ह० 44 | |
| 1074 | व्रतार्कः | शङ्करभट्टः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 71 | |
| 1075 | शकुनावली | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50535 | |

| | | | | | | |
|------|------------------------|----------------|---------------|---------|----------|---------------------|
| 1076 | शक्तिवादः | गदाधर भट्ट | न्यायशास्त्र | दे० ना० | ह० 50663 | संक्षेप शङ्करजयः |
| 1077 | शक्तिस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50564 | |
| 1078 | शङ्करजयः | माधवः | काव्य | दे० ना० | ह० 69 | |
| 1079 | शङ्करदिग्विजय | | काव्य | दे० ना० | ह० 53 | |
| 1080 | शङ्करदिग्विजयसार | सदानन्द | काव्य | दे० ना० | ह० 50315 | सटीक |
| 1081 | शङ्करविजय | माधवः | काव्य | दे० ना० | ह० 50306 | |
| 1082 | शनिकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50566 | |
| 1083 | शब्दकौस्तुभ | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19991 | |
| 1084 | शब्दप्रमाण...? | | ? | दे० ना० | ह० 50512 | ६९ |
| 1085 | शब्दरूपावली | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19939 | |
| 1086 | शम्भुहोराप्रकाशः | पुञ्जराजः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19591 | |
| 1087 | शरभप्रयोगः | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50658 | |
| 1088 | शल्योद्धारः | (रुद्रयामले) | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50359 | |
| 1089 | शाकुन्तलप्राकृतविवृतिः | | काव्य | दे० ना० | ह० 50256 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | प्रत्यक्षता | विभाग | निधि | प्रमाण | विभाग |
|-------------|-----------------------------------|-----------------------------|-----------|-----------|----------|-------------|
| 1090 | शान्तिमय (पुस्तक) | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19738 | महाभारत |
| 1091 | शान्ति तथा राजधर्मादि | आसमुनिः | इतिहास | दे० ना० | ह० 50150 | |
| 1092 | शान्तिमय | गीलकण्ड भट्ट | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 78 | |
| 1093 | शान्तिमय | गीलकण्ड | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19756 | |
| 1094 | शान्तिमय | गीलकण्ड | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50007 | |
| 1095 | शारीरक भाष्यम् | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50177 | रत्नप्रभा |
| 1096 | शारीरकमीमांसा भा० भा० | गोविन्ददासः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50226 | |
| 1097 | शाङ्ग धरपञ्चरत्नः | शाङ्ग धरः | काव्य | दे० ना० | ह० 50263 | |
| 1098 | शालिमागरस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50589 | |
| 1099 | शालिहोत्र | शालिहोत्र | वेदिक | दे० ना० | ह० 45 | |
| 1100 | शालिहोत्र | | वेदिक | मुद्रमुखी | ह० 19605 | दे० ना० २१- |
| 1101 | शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रहव्याख्या | अच्युत कृष्ण- नन्द तीर्थ | वेदान्त | दे० ना० | ह० 96 | |

| | | | | | | |
|------|-----------------------------|-----------------------|-----------|---------|----------|---------------------------|
| 1102 | शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रहः | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50468 | काव्य- प्रतिश- टीका |
| 1103 | शितिकण्ठविबोधः | राजानक- आनन्द | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50407 | |
| 1104 | शिवकवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50673 | |
| 1105 | शिवगीता | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50645 | |
| 1106 | शिवप्रतिष्ठागण्डलम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50005 | |
| 1107 | शिवमाहात्म्य (ब्रह्मोत्तरे) | | पुराण | दे० ना० | ह० 50441 | १६ |
| 1108 | शिवरागस्तोत्रम् | रागानन्द गर- स्वती | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19914 | |
| 1109 | शिवसहस्रनाम स्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50699 | |
| 1110 | शिवस्तोत्रम् (काशीखण्डे) | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50026 | |
| 1111 | शिवस्तोत्र (हिन्दी) | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50486 | |
| 1112 | शिवहरेस्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50484 | १६ |
| 1113 | शिवाष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19916 | |
| 1114 | शीघ्रबोधः | काशिनाथ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19589 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--------------------------|---------------|-------------|---------|------------|-------|
| 1115 | शीघ्रबोधः | काशिनाथ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19863 | |
| 1116 | शीघ्रबोधः | काशिनाथ | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50363 | |
| 1117 | शीतलास्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50367 | |
| 1118 | शुकजातकम् | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 50370 | |
| 1119 | शुकसन्देशः | लक्ष्मणदास | काव्य | दे० ना० | प्र० 19791 | |
| 1120 | शुकसन्देशः | लक्ष्मणदास | काव्य | दे० ना० | प्र० 19792 | |
| 1121 | शुकाप्सरः संवाद | | काव्य | दे० ना० | ह० 50354 | |
| 1122 | शुक्ल यजुर्वजसनेय संहिता | | वेद | दे० ना० | ह० 19924 | |
| 1123 | शु० य० वाजसनेय संहिता | | वेद | दे० ना० | ह० 50239 | |
| 1124 | शु० यजुस्संहिता | | वेद | दे० ना० | ह० 19596 | |
| 1125 | शुद्धिविधानम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19797 | |
| 1126 | शुद्धिविवेकः | रुद्रधर | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 108 | |

१९

| | | | | | |
|------|------------------|------------------------|---------------|---------|----------|
| 1127 | शुद्धिविवेकः | रुद्रधर | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50006 |
| 1128 | शूद्रकमलाकर | कमलाकर भट्ट | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19921 |
| 1129 | शृङ्गारचूडामणि | प्रयाग मिश्रः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 50261 |
| 1130 | शृङ्गारतिलक | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 19570 |
| 1131 | शृङ्गारतिलक | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50340 |
| 1132 | शृङ्गारतिलक | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50578 |
| 1133 | शृङ्गाररसाष्टकम् | कालिदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50342 |
| 1134 | शृङ्गारशतकम् | भर्तृहरिः | काव्य | दे० ना० | ह० 50334 |
| 1135 | शृङ्गाराष्टकम् | मयूरकविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50341 |
| 1136 | श्यामारहस्य | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 117 |
| 1137 | श्राद्धविवेक | श्रीधर महो- पाध्याय | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 110 |
| 1138 | श्राद्धविवेक | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50173 |
| 1139 | श्राद्धश्लोक | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50657 |

१३

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थांक | विशेष |
|-------------|--------------------------------|---------------|---------|---------|-----------|--------|
| 1140 | श्रीगङ्गाकवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50028 | |
| 1141 | श्रीगणेशस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19958 | |
| 1142 | श्रीजन्म (विष्णुपुराणे) | | पुराण | दे० ना० | ह० 19734 | |
| 1143 | श्रीभगवद्गीता | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50332 | |
| 1144 | श्रीमद्भगवद्गीता | गर्ग मुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50092 | |
| 1145 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19997 | |
| 1146 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19998 | |
| 1147 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19788 | मटीक |
| 1148 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरीसहित) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50076 | सचित्र |
| 1149 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरी) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50212 | |
| 1150 | श्रीमद्भगवद्गीता (स्थूलाक्षर) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50213 | |
| 1151 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरी) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50230 | |

| | | | | | | |
|------|---------------------------------|--------------|--------------|---------|----------|--|
| 1152 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50317 | |
| 1153 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50629 | |
| 1154 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरीयुतम्) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50677 | |
| 1155 | श्रीरामपद्धतिः | श्रीरामानुजः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50605 | |
| 1156 | श्रीरामस्तोत्रम् | महेश्वरः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50584 | |
| 1157 | श्रीरुद्राष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50019 | |
| 1158 | श्रीसत्यनारायण कथा | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19898 | |
| 1159 | श्रीसूक्तम् | | वेद | दे० ना० | ह० 19754 | |
| 1160 | श्रीहरिनामकवच | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50283 | |
| 1161 | श्रुतबोधः | कालिदासः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 19729 | |
| 1162 | श्रुतबोधः | कालिदासः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 50184 | |
| 1163 | श्रुतिवाक्यसंग्रहः | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50480 | |
| 1164 | श्रुतिसंग्रहटीका | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50481 | |
| 1165 | श्लोकव्याख्या | | | दे० ना० | ह० 50722 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--------------------------------|---------------|---------|---------|------------|--------|
| 1140 | श्रीगङ्गाकवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50028 | |
| 1141 | श्रीगणेशस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19958 | |
| 1142 | श्रीजन्म (विष्णुपुराणे) | | पुराण | दे० ना० | ह० 19734 | |
| 1143 | श्रीभगवद्गीता | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50332 | |
| 1144 | श्रीमद्भगवद्गीतासंहिता | गर्ग मुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50092 | |
| 1145 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19997 | |
| 1146 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19998 | |
| 1147 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19788 | मटीक |
| 1148 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरीसहित) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50076 | मन्त्र |
| 1149 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरी) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50212 | |
| 1150 | श्रीमद्भगवद्गीता (स्थूलाक्षर) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50213 | |
| 1151 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरी) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50230 | |

१४

| | | | | | | |
|------|---------------------------------|--------------|--------------|---------|----------|--|
| 1152 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50317 | |
| 1153 | श्रीमद्भगवद्गीता | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50629 | |
| 1154 | श्रीमद्भगवद्गीता (श्रीधरीयुतम्) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50677 | |
| 1155 | श्रीरामपद्धतिः | श्रीरामानुजः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50605 | |
| 1156 | श्रीरामस्तोत्रम् | महेश्वरः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50584 | |
| 1157 | श्रीरुद्राष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50019 | |
| 1158 | श्रीसत्यनारायण कथा | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19898 | |
| 1159 | श्रीसूक्तम् | | वेद | दे० ना० | ह० 19754 | |
| 1160 | श्रीहरिनामकवच | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50283 | |
| 1161 | श्रुतबोधः | कालिदासः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 19729 | |
| 1162 | श्रुतबोधः | कालिदासः | छन्दःशास्त्र | दे० ना० | ह० 50184 | |
| 1163 | श्रुतिवाक्यसंग्रहः | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50480 | |
| 1164 | श्रुतिसंग्रहटीका | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50481 | |
| 1165 | श्लोकव्याख्या | | | दे० ना० | ह० 50722 | |

१५

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|---------------------|------------------------|---------|---------|------------|---------------------|
| 1166 | षट्कर्मदीपिका | कृष्ण विद्या- वागीश | | | | |
| 1167 | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50692 | |
| 1168 | षट्पञ्चाशिका (सटीक) | पृथुयशाः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19774 | |
| 1169 | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19912 | भट्टोत्पली- टीका |
| 1170 | षट्पञ्चाशिका | पृथुयशाः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50130 | |
| 1171 | षट्पदी | पृथुयशाः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50134 | |
| 1172 | षडङ्ग | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50443 | |
| 1173 | षड् रत्नम् | | वेद | दे० ना० | ह० 50491 | |
| 1174 | षष्टिसंवत्सरफलानि | | काव्य | दे० ना० | ह० 50343c | |
| 1175 | षष्ठीदेवीप्रार्थना | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19815 | |
| 1176 | षोडश महावाक्यानि | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19983 | |
| | | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50570 | |

96

| | | | | | | |
|------|-----------------------------------|---------------|---------------|---------|-----------|-------------------------|
| 1177 | षोडशोपचारपूजा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50591 | |
| 1178 | सङ्कटनाशनस्तोत्र | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50562 | |
| 1179 | सङ्कल्पश्राद्धविधिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19979 | |
| 1180 | संकेतकौमुदी | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19810 | |
| 1181 | संकेतकौमुदी | हरिनाथाचार्यः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19817. | |
| 1182 | संक्रान्तिनिर्णय | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19525 | वृद्ध वशिष्ठ- संहिता |
| 1183 | संक्रान्तिफलम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50329 | |
| 1184 | संक्षिप्त वेदान्तशास्त्रप्रक्रिया | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19805 | |
| 1185 | संक्षिप्त वेदान्तशास्त्रप्रक्रिया | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 19933 | |
| 1186 | संक्षेपदीक्षाप्रयोगः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50724 | |
| 1187 | संक्षेपतो देवीपूजनविधिः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50698 | |
| 1188 | संक्षेपरामायण (बाल्मीकिः) | बाल्मीकिः | काव्य | दे० ना० | ह० 50526 | |
| 1189 | संक्षेपशङ्करविजयकाव्यम् | माधवः | काव्य | दे० ना० | ह० 19831 | सटीकम् |

97

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|---------------------------|-------------|-------------|---------|------------|-------------|
| 1190 | संक्षेपेण नित्यहवनप्रकारः | मल्लिनाथः | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50015 | रघुवंश-टीका |
| 1191 | संग्रहः | | वैद्यक | दे० ना० | ह० 50598 | |
| 1192 | सञ्जीवनी | | काव्य | दे० ना० | ह० 50319 | |
| 1193 | सत्यनारायणपूजनम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50712 | |
| 1194 | सत्यनारायणव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50706 | |
| 1195 | सत्यनारायणव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50710 | |
| 1196 | सत्यनारायणव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 50711 | |
| 1197 | सत्यनारायणव्रतकथा | वेदव्यास | पुराण | दे० ना० | ह० 50713 | |
| 1198 | सद्गतिसोपान | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 104 | |
| 1199 | सनत्सुजातीयम् | | इतिहासः | दे० ना० | ह० 50312 | |

४६

| | | | | | | |
|------|---------------------|--------------|----------------|---------|------------|--------------------------|
| 1200 | सन्दर्भविवेक | शङ्कराचार्यः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19564 | ज्योतिः-प्रकाश-सिद्धान्त |
| 1201 | सन्ध्या | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19699 | |
| 1202 | सन्ध्या | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50033 | |
| 1203 | सन्ध्याप्रयोगः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50508 | |
| 1204 | संन्यासग्रहणपद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50458 | |
| 1205 | सप्तनाडीचक्रम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19795 | |
| 1206 | सप्तरत्नम् | | काव्य | दे० ना० | ह० 50343 d | |
| 1207 | सप्तशतिकापूजाविधान | नीलकण्ठः | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 507.8 | |
| 1208 | सप्तशतीप्रयोगः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 19843 | |
| 1209 | सप्तश्लोकी गीता | | वेदान्तशास्त्र | दे० ना० | ह० 50542 | |
| 1210 | सप्तश्लोकी भागवतम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 50614 | |
| 1211 | समयमयूखः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19565 | |

४७

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-----------------------------|---------------|----------------|---------|------------|-------|
| 1212 | समयमयूखः | नीलकण्ठः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50073 | |
| 1213 | समरसारः | रामचन्द्रः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50659 | |
| ~ 1214 | समरसारटीका | श्रीभरतः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19816 | |
| 1215 | समरसारटीका | श्रीभरतः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19796 | |
| 1216 | सरस्वतीस्तवः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50291 | |
| 1217 | सरस्वतीस्तोत्रम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50446 | |
| 1218 | सरोधासार | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50323 | |
| 1219 | सर्वतोभद्रमण्डलम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50004 | |
| 1220 | सर्वतोभद्रादीनिमण्डलानि | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19755 | |
| 1221 | सर्वदेवप्रतिष्ठा | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50003 | |
| 1222 | सर्ववेदान्तविरुद्धमतखण्डनम् | | दर्शनशास्त्र | दे० ना० | ह० 19977 | |
| ✓ 1223 | सर्वार्थचिन्तामणिः | राधाकृष्ण | ज्यौतिषशास्त्र | दे० ना० | ह० 19532 | |

100

| | | | | | | |
|--------|------------------------|----------------|---------------|----------|----------|--|
| 1224 | सर्वार्थचिन्तामणिः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50083 | |
| 1225 | सहस्रनाम | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19736 | |
| 1226 | सहस्रनामशापविमोचनविधिः | | तन्त्रशास्त्र | गुरुमुखी | ह० 19943 | |
| 1227 | सहस्रशीर्षा | | वेद | दे० ना० | ह० 50500 | |
| 1228 | संस्कारपद्धतिः | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50501 | |
| 1229 | साङ्ख्यतत्त्वकौमुदी | वाचस्पतिमिश्रः | साङ्ख्य | दे० ना० | ह० 50469 | |
| ~ 1230 | साठिकसंवत्सर | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19637 | |
| 1231 | सात श्लोक | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50498 | |
| 1232 | साधकादिसाधनविधिः | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50111 | |
| 1233 | सामुद्रिक (हिन्दी) | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19714 | |
| 1234 | सामुद्रिकम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19994 | |
| 1235 | सामुद्रिकम् | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50185 | |
| 1236 | सारदीपिका | हीरालाल | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19547 | |

101

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-----------------------|---|-------------|---------|------------|---------------|
| 1237 | सारसंग्रहे कर्मविपाकः | | | | | |
| 1238 | सारसिद्धान्तकौमुदी | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50640 | |
| 1239 | सारस्वतम् | वरदराज | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50442 | |
| 1240 | सारस्वतटीका | अनुभूति स्वरूपाचार्यः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19853 | |
| 1241 | सारस्वतव्याकरणम् | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50502 | |
| 1242 | सारस्वतव्याकरणम् | अनुभूति स्वरूपाचार्य | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19733 | |
| 1243 | सारस्वतसूत्रवृत्तिः | अनुभूति स्वरूपाचार्य | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19941 | |
| 1244 | सारस्वतसूत्रवृत्तिः | हरिद्वारीलाल सौखला | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50060 | (पूर्वार्द्ध) |
| 1245 | सारस्वतीप्रक्रिया | हरिद्वारीलाल सौखला अनुभूति स्वरूपाचार्य | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50061 | (उत्तरार्द्ध) |
| | | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19686 | सास्वतम् |

102

| | | | | | | |
|------|------------------------|-----------------|---------------|---------|----------|--------------|
| 1246 | सारावली | कल्याणवर्मा | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19587 | |
| 1247 | सारावली | कल्याणवर्मा | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19659 | |
| 1248 | सारोद्धारः | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50655 | |
| 1249 | साहित्यदर्पण | विश्वनाथः | अलङ्कार | दे० ना० | ह० 19586 | |
| 1250 | सिंहासन योगपट्टमन्त्रः | शङ्कराचार्यः | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50466 | |
| 1251 | सिंहासनबतीसी | | नीतिशास्त्र | दे० ना० | ह० 94 | हिन्दी - हि. |
| 1252 | सिद्धपूजा | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50279 | हिन्दी - हि. |
| 1253 | सिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19858 | |
| 1254 | सिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50228 | |
| 1255 | सिद्धान्तकौमुदी | भट्टोजिदीक्षित | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50229 | |
| 1256 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19657 | |
| 1257 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19658 | |
| 1258 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19660 | |
| 1259 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19661 | |

103

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|---------------------|-------------------|---------|---------|------------|--|
| 1260 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19854 | तर्कसंग्रह- व्याख्या तर्कसंग्रह- व्याख्या शास्त्र- सिद्धान्त- लेशसार- संग्रहः |
| 1261 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 19875 | |
| 1262 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50208 | |
| 1263 | सिद्धान्तचन्द्रिका | रामचन्द्राश्रमः | व्याकरण | दे० ना० | ह० 50600 | |
| 1264 | सिद्धान्तचन्द्रोदयः | श्रीकृष्णधूर्जटिः | न्याय | दे० ना० | ह० 19685 | |
| 1265 | सिद्धान्तचन्द्रोदयः | श्रीकृष्णधूर्जटिः | न्याय | दे० ना० | ह० 19692 | |
| 1266 | सिद्धान्तचन्द्रोदयः | श्रीकृष्णधूर्जटिः | न्याय | दे० ना० | ह० 50042 | |
| 1267 | सिद्धान्तचन्द्रोदयः | श्रीकृष्णधूर्जटिः | न्यायः | दे० ना० | ह० 50170 | |
| 1268 | सिद्धान्तलेख | शिवेनकः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 70 | |

104

| | | | | | | |
|------|---------------------------|------------------------|---------------|---------|----------|-------------------------------------|
| 1269 | सिद्धान्तशिरोमणिः (गोला०) | लक्ष्मीदासकृता टीका | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19597 | तत्त्वपञ्चा- शिकाया- प्टीका । |
| 1270 | सिद्धान्तसंहितासार | आचार्यसूर्यः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19524 | |
| 1271 | सिद्धान्तसारदीपिका | हीरालालः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19631 | |
| 1272 | सिद्धान्तसार्वभौमः | मुनीश्वरः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19558 | हिन्दी हिं हिं |
| 1273 | सुखदेवलीला | मुरलीदास | काव्य | दे० ना० | ह० 50536 | |
| 1274 | सुन्दरसंगार | सुन्दर कवि | काव्य | दे० ना० | ह० 50529 | |
| 1275 | सुन्दरीयन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50506 | हिं . |
| 1276 | सुन्दरीयन्त्रम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50587 | |
| 1277 | सुफनविचार | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50326 | |
| 1278 | सुबोधिनीयुता गीता | श्रीधर स्वामी | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50604 | कुछ पत्र दो पत्र |
| 1279 | सुश्रुतसंहिता | सुश्रुताचार्य | वैद्यक | दे० ना० | ह० 19786 | |
| 1280 | सूक्तयः | | काव्य | दे० ना० | ह० 50718 | |

105

| संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्ता | विषय | निधि | ग्रन्थांक | विशेष |
|--------|----------------------------------|---------------------------------------|----------------|---------|-----------|-------|
| 1281 | सूतकव्यवस्था | मोलकरामः उपाध्यायः- कापिस्थलीयः | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50192 | |
| 1282 | सूतकव्यवस्था | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 50667 | |
| 1283 | सूतसंहिता | | पुराण | दे० ना० | ह० 99 | |
| 1284 | सूतिकाध्यायः | व्यासमुनीः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50121 | |
| 1285 | सूत्रवृत्ति (ब्रह्मसूत्रवृत्तिः) | ईश्वरीप्रसाद | वेदान्तशास्त्र | दे० ना० | ह० 115 | |
| 1286 | सूर्यकवचम् | रामकिङ्कखर्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19954 | |
| 1287 | सूर्यषष्ठीकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 19871 | |
| 1288 | सूर्यषष्ठीव्रतकथा | | पुराण | दे० ना० | ह० 19920 | |
| 1289 | सूर्यसिद्धान्त | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 76 | |
| 1290 | सूर्यसिद्धान्त | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19529 | |
| 1291 | सूर्यसिद्धान्तटीका | रङ्गनाथ | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19533 | |

106

1316 | स्वस्ति

| | | | | | | |
|------|-------------------------------|--------------|---------|---------|----------|----------|
| 1292 | सूर्यस्तुतिः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19748 | |
| 1293 | सूर्यस्तुतिः | श्रीसाम्बः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50457 | |
| 1294 | सूर्याथर्वीङ्गिरसम् | | वेद | दे० ना० | ह० 50027 | |
| 1295 | सूर्यारुणसंवाद-पुस्तकपूजा | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50639 | |
| 1296 | सूर्यार्णव कर्मविपाक | | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50661 | |
| 1297 | सूर्याष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50715 | |
| 1298 | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50178 | |
| 1299 | सौन्दर्यलहरी | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50268 | |
| 1300 | सौभाग्यार्चनम् (गर्भकौलागमे) | | तन्त्र | दे० ना० | ह० 50105 | |
| 1301 | स्कन्दपुराण | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19537 | कुछ भाग |
| 1302 | स्कन्दपुराण (ब्रह्मोत्तरखण्ड) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50428 | |
| 1303 | स्कन्दपुराण (कुछ पत्र) | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19629 | |
| 1304 | स्तवमाला | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19644 | वैष्णवमत |

107

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|--------------------|--|-------------|---------|------------|----------------------------|
| 1305 | स्त्रीजातक | राजपि: | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19562 | चमत्कार- चिन्ता- मणी |
| 1306 | स्नानादि नित्यकर्म | अनन्तदेवः (कूर्मपुराणे) भट्टोजिदीक्षित | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50612 | |
| 1307 | स्मृतिकौस्तुभः | | धर्मशास्त्र | दे० ना० | ह० 19556 | |
| 1308 | स्वप्नाध्यायः | | ज्योतिष | दे० ना० | ह० 19778 | |
| 1309 | स्वरप्रक्रिया | | व्याकरण | दे० ना० | ह० 46 | |
| 1310 | स्वरोदयः | | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 50127 | |
| 1311 | स्वरोदयः | | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 50301 | |
| 1312 | स्वरोदयः | | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 50593 | |
| 1313 | स्वरोदयः | | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 50595 | |
| 1314 | स्वरोदयभाषा | | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 50322 | |
| 1315 | स्वरोदयज्ञानम् | | योगशास्त्र | दे० ना० | ह० 50393 | |

| | | | | | | |
|------|------------------------|----------------------|---------------|---------|----------|--------------------|
| 1316 | स्वस्तिपुण्याहवाचनम् | गङ्गाधर सर- स्वती | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 19752 | दानखण्डो- क्तम् |
| 1317 | स्वस्तिपुण्याहवाचनम् | | कर्मकाण्ड | दे० ना० | ह० 50577 | |
| 1318 | स्वाराज्यसिद्धिः | | वेदान्त | दे० ना० | ह० 51 | |
| 1319 | हनुमदष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19955 | |
| 1320 | हनुमत्कवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19708 | |
| 1321 | हनुमत्कवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19830 | |
| 1322 | हनुमत्कवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50008 | |
| 1323 | हनुमत्कवचम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50450 | |
| 1324 | हनुमत्कवच तथा सहस्रनाम | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19681 | |
| 1325 | हनुमत्तन्त्र | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50110 | |
| 1326 | हनुमत्पञ्चकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50448 | |
| 1327 | हनुमत्पटलः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19742 | |
| 1328 | हनुमत्स्तवराजः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50553 | |

| क्रम संख्या | पुस्तक का नाम | ग्रन्थकर्त्ता | विषय | लिपि | ग्रन्थाङ्क | विशेष |
|-------------|-------------------------|----------------------|---------------|---------|------------|-------------|
| 1329 | हनुमदष्टकम् | | | | | |
| 1330 | हनुमदष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19705 | |
| 1331 | हनुमदष्टकम् | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19955 | |
| 1332 | हनुमद्यन्त्रपूजाविधिः | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50495 | |
| 1333 | हनुमद्यन्त्रविनियोगपूजा | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50729 | |
| 1334 | हनुमन्मन्त्रगह्वरम् | | तन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50554 | |
| 1335 | हनुमान की जैत | | मन्त्रशास्त्र | दे० ना० | ह० 50552 | |
| 1336 | हरनाममाला | | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50565 | |
| 1337 | हरितत्त्वमुक्तावलिः | शङ्कराचार्यः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 19749 | हिन्दी - हि |
| 1338 | हरितालिकाव्रतकथा | स्वयंप्रकाशः | स्तोत्र | दे० ना० | ह० 50197 | |
| 1339 | हरिभक्तिरसायनम् | | पुराण | दे० ना० | ह० 19746 | |
| | | मधुसूदन सर- स्वती | भक्तिशास्त्र | दे० ना० | ह० 50477 | |
| 1340 | हरिवंशपुराण | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 19608 | |

| | | | | | | |
|--------|--------------------|-------------------|-----------|---------|----------|--------------------|
| 1341 | हरिवंशपुराणम् | व्यासमुनिः | पुराण | दे० ना० | ह० 50142 | |
| 1342 | हरिविलासमहाकाव्यम् | लोलिम्बराजः | काव्य | दे० ना० | ह० 50402 | |
| 1343 | हरिविलासमहाकाव्यम् | लोलिम्बराजः | काव्य | दे० ना० | ह० 50408 | |
| ✓ 1344 | हस्त-सञ्जीवनम् | मेघविजयः | सामुद्रिक | दे० ना० | ह० 19632 | |
| 1345 | हस्तामलक | शङ्कराचार्यः | वेदान्त | दे० ना० | ह० 50287 | |
| 1346 | हायनरत्न | बलभद्रः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 67 | |
| 1347 | हायनरत्नम् | बलभद्रः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 50171 | |
| 1348 | हास्यार्णवप्रहसनम् | जगदीश्वरः कविः | काव्य | दे० ना० | ह० 50252 | |
| 1349 | हिन्दी के चार पद्य | | काव्य | दे० ना० | ह० 50492 | - हि |
| 1350 | होराप्रदीप | दामोदरः | ज्यौतिष | दे० ना० | ह० 19551 | अलवर में |
| 1351 | हंसदूतम् | कवीन्द्रचार्य | काव्य | दे० ना० | प्र० 4 | २०३२ |
| 1352 | हंसदूतम् | रूपगोस्वामी | काव्य | दे० ना० | ह० 50412 | नम्बर पर भी है। |

कुरुक्षेत्र-विश्वविद्यालय-संस्कृतग्रन्थमालायाम्

प्रथमं प्रसूनम्

कुरुक्षेत्र महाकाव्यम् ।

श्री डेवेकरोपाह्व-पाण्डुरंगशास्त्रिभिः

पुण्यपत्तनवासिभिः प्रणीतम् ।

मूल्य : १ रु० ५० पै०

विषय-सूची

प्रत्येक विषय के समक्ष दिये गए निर्देश-अंक सूचिपत्र की क्रमसंख्या को सूचित करते हैं ।

अज्ञात

1084, 1165, 1166, = 3

अलङ्कार

38-44, 131, 132, 156, 157,
158, 160, 173-176, 305,
306, 314, 644, 877-879,
881, 965, 966, 1103, 1129,
1249 = 39

इतिहास

78, 79, 329 350, 351, 398,
678, 679, 762-766, 900,
987, 1199 = 16

उपनिषद्

83, 84, 85, 96, 97, 113, 114,
115, 134, 153, 154, 185,
186, 238, 267, 318-320,
340, 341, 413-417, 498-
500, 687, 697, 784, 798,
806, 807, 952, 991 = 36

कर्मकाण्ड

1, 19, 20, 28, 36, 90, 95, 98,
120, 135, 136, 168, 177,
179, 209, 211, 260, 261,
313, 327, 342, 354, 392,
410, 411, 424, 438, 439,
497, 504, 544, 615-619,
625, 630, 633, 691, 797,
823, 840, 845, 847, 946,
970, 971, 976, 980, 988,

989, 1071, 1026, 1027,
1062, 1090, 1092-1094,
1106, 1125, 1137-1139,
1177, 1179, 1190, 1201,
1204, 1219-1221, 1228,
1306, 1316, 1317 = 74

कामशास्त्र

12, 72 = 2

काव्य

35, 48, 91, 92, 100, 118,
137, 138, 159, 166, 167,
169, 190, 210, 221, 240,
241, 257, 258, 271-274,
288-293, 310, 316, 343,
377, 407-409, 425, 433,
456-458, 473, 476, 483,
484, 486, 488-491, 496,
524-527, 549, 552, 556,
597, 602, 647, 662, 674,
675, 681, 704, 719, 736,
737, 754, 761, 778-780,
825-834, 837, 864-867,
872, 873, 876, 882, 885,
888, 891-894, 910, 967,
968, 977, 982-984, 1057-
1060, 1078-1081, 1089,
1097, 1119-1121, 1130-
1135, 1173, 1188, 1189,
1192, 1206, 1273, 1274,
1280, 1342, 1343, 1348,
1349, 1351, 1352 = 39

कोष

16, 17, 18, 29, 30, 31, 32,
33, 34, 102, 103, 785, 868,
1069 = 14

गणित

604, 722, 925, 947-949 = 6

छन्द

317, 969, 1011-1014, 1161,
1162 = 8

जैन-दर्शन

259 = 1

ज्यौतिष

27, 70, 81, 82, 117, 121,
122, 130, 133, 187-189,
216, 239, 269, 270, 281-
287, 309, 315, 321, 323,
331-339, 345, 346, 353,
355-60, 364, 369, 393-396,
406, 420, 422, 426, 436,
446, 465, 469, 477, 480-
482, 485, 505, 521,
611, 621, 622, 648-658,
676, 682, 684-686, 716-
718, 723-729, 732-735,
740-743, 752, 759, 796,
809-822, 835, 836, 846,
852, 858-862, 869, 871, 874,
875, 887, 895, 915, 931,
932, 935, 936, 942, 955,
956, 973-975, 990, 1064,
1075, 1086, 1088, 1114-
1116, 1118, 1167-1170,
1174, 1180, 1181, 1183,
1200, 1205, 1213-1215,
1218, 1223, 1224, 1230,
1233-1236, 1246-1248,

1269-1272, 1277, 1284,
1289-1291, 1295, 1296,
1305, 1308, 1346, 1347,
1350 = 15

तन्त्रशास्त्र

86, 87, 119, 141, 142, 170,
229, 268, 279, 361, 375,
376, 397, 428, 430-432,
435, 445, 464, 635, 731,
788, 842-844, 863, 901,
921, 922, 992, 1007, 1136,
1186, 1187, 1207, 1208,
1226, 1232, 1252, 1275,
1276, 1300, 1325, 1332-
1333

तर्कशास्त्र

1070, 1071

दर्शन

165, 1222

देवनागरी

57

धनुर्विद्या

472

धर्मशास्त्र

76, 77, 105, 112, 123, 126,
147, 151, 326, 328, 399-
405, 419, 421, 437, 440-
443, 471, 474, 475, 508-
511, 523, 612, 645, 646,
664-666, 689, 747, 753,
758, 760, 771, 799, 800,
848, 849, 851, 870, 986,
994, 1008-1010, 1015,
1016, 1018, 1063, 1065,

1066, 1074, 1126-1128
1182, 1198, 1211, 1212,
1237, 1281, 1282, 1307

भक्तिशास्त्र

1339

नाटक

182, 641-643, 661, 794,
795, 978, 981

नीति

116, 513-519, 1251

न्यायशास्त्र

14, 15, 275, 276, 330, 378-
391, 444, 445, 529, 531-
543, 557, 558, 706, 805,
1076, 1264-1267

पत्र

663

पुराण

13, 49, 101, 104, 106, 107,
108, 109, 110, 111, 124,
125, 127, 128, 145, 146,
162, 163, 172, 184, 196,
206, 212-215, 217-220,
256, 301-304, 324, 325,
362, 412, 501-503, 507,
554-596, 628, 629, 631,
671, 672, 677, 683, 688,
696, 703, 707-714, 730,
745, 772, 781-783, 791-
793, 838, 889, 911, 916,
943, 950, 972, 985, 997,
998, 1019, 1061, 1082,
1107, 1142, 1147-1154,
1158, 1193-1197, 1210,
1283, 1287, 1288, 1301-
1303, 1338, 1340, 1341

मन्त्रशास्त्र

93, 143, 144, 155, 224-
227, 231-234, 263, 294-
299, 418, 447-451, 454,
459, 461, 463, 466, 468,
478, 479, 547, 548, 550,
551, 634, 738, 755-757,
770, 777, 824, 902-905,
918-920, 927, 953, 1087,
1250, 1334

मीमांसा

8, 37, 344, 347-349, 801-
803, 951

यवनधर्म

171

योग

598, 609, 610, 854, 886,
1310-1315

रामायण

7, 9, 10, 11, 75

वेद

53, 99, 222, 228, 230,
237, 429, 623, 624, 626,
744, 839, 923, 924, 1122-
1124, 1159, 1172, 1227,
1294

वेदाङ्ग

311, 312, 605, 607, 613,
614, 850, 926, 1072

वेदान्त

24, 25, 59-64, 94, 194, 195,
242-247, 249-255, 278,
280, 352, 365, 370-374,
470, 512, 528, 531, 545,
546, 553-555, 618, 659,
660, 690, 692-695, 698-
701, 705, 748, 789, 841,
855-857, 896-898, 933,
937, 959-964, 979, 1020-
1025, 1073, 1095, 1096,
1102, 1105, 1143-1146,
1163, 1164, 1176, 1184,
1185, 1209, 1268, 1278,
1285, 1318, 1345

वेदान्तस्तोत्र

248

वैद्यक

58, 71, 148, 149, 150, 467,
522, 603, 746, 750, 786,
787, 853, 880, 883, 884,
917, 1028-1038, 1099,
1100, 1191, 1279

वैशेषिक

178

व्याकरण

45, 50, 50, 52, 55, 56, 88,
89, 139, 140, 161, 191-193,
307, 308, 363, 366-368,
434, 559-593, 599-601,
606, 632, 638-640, 667-
670, 720, 721, 749, 751,
767-769, 938-941, 944,
945, 957, 958, 1039-1056,

1067, 1068, 1083, 1085,
1231, 1238-1245, 1253-
1263, 1309

शिक्षा

69, 73, 152

सन्तवाणी

3, 4, 6

साङ्ख्य

1229

सामुद्रिक

1344

सुभाषित

129

स्तोत्र

2, 21, 22, 23, 26, 46, 47,
54, 65-68, 74, 80, 164,
180, 181, 183, 197-205,
207, 208, 223, 235, 236,
262, 264-266, 300, 423,
427, 452, 453, 455, 492-
495, 506, 520, 620, 636,
637, 673, 680, 739, 773-
776, 790, 804, 890, 899,
906-909, 912-914, 928-
930, 954, 993, 995, 996,
999-1006, 1077, 1098,
1104, 1108-1113, 1117,
1140, 1146, 1155-1157,
1160, 1171, 1175, 1178,
1216, 1217, 1225, 1286,
1292, 1293, 1297-1299,
1304, 1319-1324, 1326-
1331, 1335-1337

